CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-285
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 18 जनवरी 2024

आज का विचार

सवाल ये नहीं रफ्तार किसकी कितनी है, सवाल ये है के सलीक़े से कौन चलता है।

पेज-06

बिलकिस बानो केस में तीन दोषियों ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

सरेंडर के लिए मांगा वक्त

नई दिल्ली। बिलकिस बानो मामले में 11 दोषियों में से तीन ने जेल अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए समय बढ़ाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दोषियों के वकील द्वारा तत्काल सुनवाई के लिए उनकी याचिका का उल्लेख करने के बाद सुप्रीम कोर्ट याचिका को सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी को फैसला देते हुए बिलकिस बानो दुष्कर्म और उसके परिजनों की हत्या के मामले में समय से पहले बरी किए गए 11 दोषियों को दी गई रिहाई को रद्द करते हुए उन्हें दो हफ्ते में जेल में आत्मसमर्पण करने के लिए आदेश जारी किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था

इससे पूर्व 8 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो से सामूहिक दुष्कर्म और 14 लोगों की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा भुगत रहे 11 दोषियों को समय से पहले रिहा करने के अगस्त 2022 में लिए गए गुजरात सरकार के फैसले को रद्द कर दिया था। 8 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि ऐसा आदेश लेने के लिए राज्य सरकार बिल्कुल भी सक्षम नहीं थी और फैसले को बिना दिमाग लगाए पारित कर दिए गए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने दोषियों को दो सप्ताह के भीतर जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था। सजा में छूट को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को सुनवाई योग्य मानते हुए पीठ ने कहा था कि गुजरात सरकार छूट का आदेश पारित करने के लिए उपयुक्त सरकार नहीं है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि राज्य, जहां किसी अपराधी पर मुकदमा चलाया जाता है और सजा सुनाई जाती है, वह दोषियों की माफी याचिका पर निर्णय लेने में सक्षम है। दोषियों पर महाराष्ट्र द्वारा मुकदमा चलाया गया। दरअसल, मुंबई में ष्टक्कु की एक विशेष अदालत ने इस मामले में 2008 में 11 आरोपियों को उम्र कैद की सजा सुनाई थी। बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी इस फैसले पर अपनी मुहर लगाई थी। सरकार ने शक्ति का दुरुपयोग कियासुप्रीम कोर्ट ने कहा, %कानून के शासन का उल्लंघन हुआ है क्योंकि गुजरात सरकार ने अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया। पीठ ने 100 पन्नों से अधिक का फैसला सुनाते हुए कहा कि राज्य के छूट के आदेश रद्द किए जाने चाहिए। शीर्ष अदालत ने एक अन्य पीठ के 13 मई, 2022 के आदेश को भी %अमान्य% करार दिया, जिसमें गुजरात सरकार से दोषियों की सजा माफी की याचिका पर विचार करने को कहा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के फैसले को अदालत के साथ धोखाधड़ी करार दिया और कहा कि इस अदालत के सामने फैक्ट छिपाए गए। 13 मई का आदेश सही नहीं था और इसे हम अमान्य मानते हैं। गुजरात में वर्ष 2002 में दंगे के दौरान बिलकिस के साथ नृशंस सामूहिक दुष्कर्म हुआ था। यहीं नहीं, बिलकिस के आंखों के सामने उसके परिवार के 7 लोगों की हत्या भी कर दी गई थी।

पीएम मोदी ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर पर स्मारक डाक टिकट किए जारी, चौपाई से लेकर अलग-अलग डिजाइन हैं शामिल

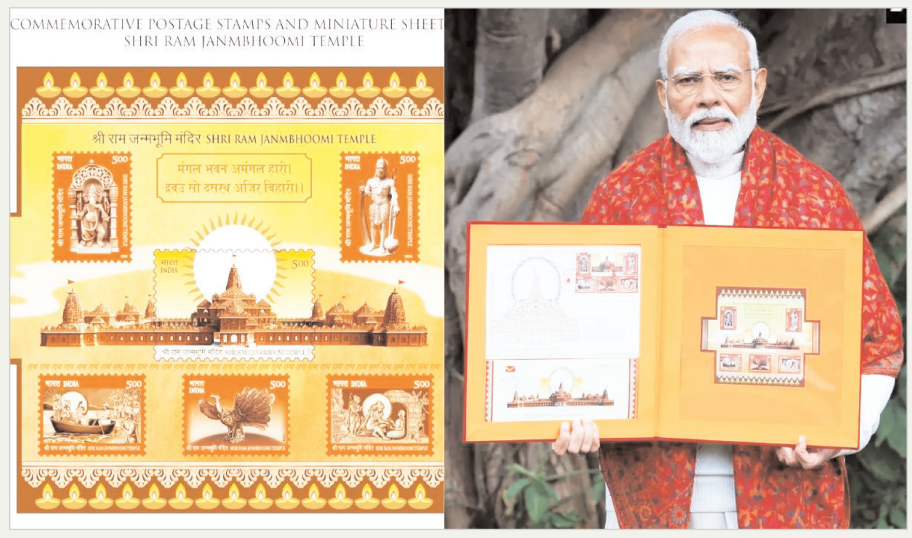

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज श्री राम जन्मभूमि मंदिर पर स्मारक डाक टिकट जारी किए। पीएम ने इसी के साथ दुनिया भर में भगवान राम पर जारी टिकटों की एक पुस्तक जारी की। इस डाक टिकट पर अलग-अलग डिजाइन भी बने हैं। डिजाइन में राम मंदिर, चौपाई मंगल भवन अमंगल हारी, सूर्य, सरयू नदी और मंदिर और ऐसी ही कई मूर्तियां शामिल हैं।

डीजीपी ने पुलिस लाइन में लगाई झाड़ू, प्रदेश भर में थाना-चौकियों में स्वच्छता अभियान

भोपाल। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन प्रदेश भर में कई कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर प्रदेश के सभी शाकसकीय कार्यालयों और आवासों में 16 से 21 जनवरी के बीच विशेष सफाई अभियान चलाने के आदेश जारी किए गए है। इसी कड़ी में गुरुवार को प्रदेश के सभी थाना-चौकियों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। डीजीपी सुधीर सक्सेना ने भोपाल में पुलिस लाइन में झाड़ू लगाई। इस दौरान उनके साथ भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र ने भी सफाई की। 21 जनवरी को सभी पुलिस भवनों में आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी। बता दें पुलिस मुख्यालय की तरफ से प्रदेश के सभी थाना-चौकियों में विशेष सफाई अभियान चलाने के आदेश जारी किए गए थे। साथ ही अधिकारियों को अपने कार्यालयों को स्वचछता की दृष्टि से अनुकूल वातावरण निर्मित करने और कर्मचारियां को साफ सफाई रखने प्रोत्साहित करने को कहा गया है।

पाकिस्तान ने ईरानी हमले के जवाब में एयरस्ट्राइक की कहा- कई आतंकियों को ढेर किया, रिपोर्ट्स में दावा- 4 बच्चे, 3 महिलाओं की मौत

पाकिस्तान की एयरफोर्स ने बुधवार देर रात जवाबी कार्रवाई में ईरान में बलूच लिबरेशन आर्मी के ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज बलोच ने कहा- ये कार्रवाई सभी खतरों के खिलाफ देश की रक्षा के लिए की गई है। ऑपरेशन की सफलता पाकिस्तानी सेना की काबिलियत का सबूत है। पाकिस्तान का दावा है कि उन्होंने ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान में कई आतंकियों को मार गिराया। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान की एयरस्ट्राक में 4 बच्चे और 3 महिलाओं की मौत हुई है। इससे पहले मंगलवार रात पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद दोनों देशों में टकराव बढ़ गया था। ईरान ने कहा था कि उसने पाकिस्तान में आतंकी संगठन जैश अल अदल पर हमला किया था।

मानसूनी बारिश पिछले 10 वर्षों में 55 फीसदी तहसीलों में बढ़ी, साल 2024 में भी अधिक तपन

दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्से में दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश में पिछले दशक (2012-2022) के दौरान बढ़ोतरी देखी जा रही है और 55 फीसदी तहसीलों में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद के बुधवार को यहां जारी एक अध्ययन के अनुसार राजस्थान, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र और तमिलनाडु के कुछ भागों जैसे पारंपरिक रूप से सूखे क्षेत्रों की तहसीलों समेत 55 फीसदी तहसीलों में बारिश में 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। इनमें से लगभग एक-चौथाई तहसीलों में जून से सितंबर की अवधि के दौरान वर्षा में 30 प्रतिशत से अधिक की स्पष्ट बढ़ोतरी देखी जा रही है। सीईईडब्ल्यू ने डिकोडिंग इंडियाज चेंजिंग मानसून पैटर्न अध्ययन में पूरे देश में 4,500 से अधिक तहसीलों में 40 वर्षों (1982-2022) के दौरान हुई बारिश का अपनी तरह का पहला सूक्ष्म विश्लेषण किया है। अध्ययन में कहा गया है कि पिछले 40 वर्षों में भारत के लगभग 30 प्रतिशत जिलों में बारिश की कमी वाले वर्षों और 38 प्रतिशत जिलों में बारिश की अधिकता वाले वर्षों की संख्या बढ़ी है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव का आज बिहार में होगा अभिनंदन

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव बिहार प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वह बिहार भाजपा कार्यालय में वर्तमान और पूर्व सांसदों व विधायकों के अलावा प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसके पहले श्री कृष्ण चेतना विचार मंच द्वारा श्री कृष्ण मेमोरियल सभागार, गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों द्वारा उनका अभिनंदन किया जाएगा। डा.यादव के बिहार दौरे को लोकसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। वह सवा बारह बजे पटना विमानतल स्थित स्टेट हैंगर पहुंचेंगे। यहां से सीधे श्री कृष्ण मेमोरियल सभागार, गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय जाएंगे। वह बुद्ध मार्ग स्थित इस्कान मंदिर में पूजन एवं दर्शन करके पांच बजे भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

आदि गुरु शंकराचार्य के जन्मस्थली में दर्शन पूजन कर शिवराज सिंह चौहान ने मंदिर में किया पौधारोपण

आज से दो दिवसीय दौरे पर मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान केरल पहुंच चुके है। यहां उन्होंने आदि गुरु शंकराचार्य जी के जन्मस्थली कालड़ी में दर्शन पूजन कर मंदिर में पौधारोपण किया और कहा- भारतीय संस्कृति कहती है कि सभी में एक ही चेतना विराजमान है। पेड़-पौधे, जीव-जंतु, मनुष्य सभी परमात्मा की ही अभिव्यक्ति हैं। शिवराज बोले- इसी भूमि से पैदल निकले आदि शंकराचार्य जी ने भी एकात्मता की बात कही, नदियों की स्तुति लिखी, पहाड़ों को पूजा और प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित किया। आज श्री आदि शंकर जन्मभूमि क्षेत्र की पुण्य भूमि में पौधरोपण का सौभाग्य मिला। मुझे विश्वास है कि विश्व मंगल के भाव से इस पुण्य क्षेत्र में रोपा यह पौधा जगत को शांति और शीतलता देगा। इस दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, मैं सौभाग्यशाली हूँ कि आज आदि शंकराचार्य जी की जन्मभूमि आया हूँ यहीं उन्होंने जन्म लिया था और यहीं से वह गुरु की खोज में पदयात्रा कर ओंकारेश्वर की ओर निकले थे। आचार्य शंकर के कारण ही आज भारत सांस्कृतिक रूप से एक है। उन्होंने दक्षिण से उत्तर, पूर्व से पश्चिम सारे भारत को जोड़ा। उनकी कृपा से ही हमारी संस्कृति, जीवन मूल्य और परंपराएं अक्षुण्ण हैं, मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि उनके गुरु स्थान ओंकारेश्वर में भव्य प्रतिमा एकात्मता की मूर्ति बन गई है। आदि शंकराचार्य जी का एकात्मता का विचार ही भौतिकता की अग्नि में दग्ध इस मानवता को शाश्वत शांति के पथ का दिग्दर्शन कराएगा। पूर्व सीएम ने कहा- केरल की भूमि अत्यंत पवित्र है आगे पूर्व सीएम ने कहा कि, केरल की भूमि अत्यंत पवित्र है। इस धरती ने सनातन को आदि शंकराचार्य जी जैसा नायक दिया, जिसने सांस्कृतिक, आध्यात्मिक तथा भौगोलिक स्तरों पर सार्वभौमिक एकात्मता का सूत्रपात किया। मैं आचार्य शंकर की ज्ञानभूमि और गुरुभूमि मध्यप्रदेश से उनकी जन्मभूमि कालड़ी आया हूं। यहां की दिव्य आध्यात्मिक ऊर्जा आत्मा को और उज्ज्वल कर रही है। मध्यप्रदेश से आचार्य शंकर का गहरा नाता रहा है। यहां उन्हें गुरु मिले, नर्मदा किनारे कई स्त्रोतों की उन्होंने रचना की और यहीं से उन्होंने विश्व को एकात्मता का संदेश देने के लिए अपनी दिग्विजय यात्रा प्रारंभ की। एक बार पुन: भगवत्पाद आद्य श्री शंकराचार्य जी की ज्ञानभूमि ओंकारेश्वर से एकात्मता का सार्वभौमिक संदेश संपूर्ण विश्व को नई दिशा दे रहा है। यहां विनिर्मित एकात्म धाम प्रकल्प तथा अद्वैत लोक प्रस्थानत्रयी, सनातन संस्कृति, आर्षविद्या व वैदिक स्वर्णिम सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार का वैश्विक केंद्र बन रहा है, मैं आचार्य शंकर के चरणों में कोटि-कोटि नमन करता हूं।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

इंदौर में एमपीपीएससी के छात्र को कोचिंग में अटैक, अस्पताल में मौत

इंदौर। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर छात्र की हार्ट अटैक से मौत हो गई। छात्र को कोचिंग में ही दिल का दौरा पड़ा था। उसको अस्पताल में भर्ती किया लेकिन मौत हो गई।घटना भंवरकुआं थाना क्षेत्र की है। रगोली सागर निवासी 18 वर्षीय राजा पुत्र माधव लोधी सर्वानंद नगर में किराये से रहता था। वह बीए फाइनल ईयर की पढ़ाई के साथ एमपीपीएससी परीक्षा की तैयारी भी कर रहा था। भंवरकुआं क्षेत्र में ही वह कोचिंग जाता था। बुधवार दोपहर कोचिंग में ही उसके सीने में दर्द हुआ तो साथी टावर चौराहा स्थित निजी अस्पताल ले गए। डाक्टर ने उपचार किया और आइसीयू में रखा। शाम को राजा की मौत हो गई। गुरुवार को छात्र के शव का जिला अस्पताल में पीएम करवाया गया।

चार साल के मासूम को रातभर थाने में रखा, यह है मामला, कोर्ट में टीआइ पेश

इंदौर। राजेंद्र नगर थाने की पुलिस द्वारा मंगलवार रात कोर्ट के आदेश के बिना चार वर्ष के बालक व पिता को उठाकर रातभर थाने में रखने के खिलाफ बुधवार को हाई कोर्ट इंदौर में लगाई गई बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की अर्जेंट सुनवाई हुई। इसमें कहा गया कि पति और पत्नी में विवाद के चलते पति के पास रह रहे बच्चे व पिता को महिला की शिकायत पर रातभर थाने में कस्टडी में रखने का अधिकार पुलिस को नहीं है।कोर्ट ने भी कहा कि पुलिस को सीधे बच्चे को हिरासत में रखने का अधिकार नहीं है। इस दौरान भोपाल से पहुंची महिला ने हाई कोर्ट में हंगामा भी किया। सुनवाई में कोर्ट के निर्देश पर राजेंद्र नगर थाने के टीआइ और अन्य पुलिसकर्मी भी हाजिर हुए। सुनवाई के बाद फिलहाल कोर्ट ने बालक को उसकी मां को सौंप दिया। बच्चे की कस्टडी को लेकर कोर्ट ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया।

यह है मामला

दरअसल, राजेंद्रनगर निवासी दंपती यूसुफ फिल्मवाला व उसकी पत्नी के बीच विवाद चल रहा है, साथ ही फैमिली कोर्ट इंदौर में तलाक का केस भी चल रहा है। इनके दो पुत्र हैं, जिनमें चार साल का बड़ा बेटा इंदौर में पिता के पास और छोटा भोपाल में मां के पास रहता है। रात भर थाने में रखा मंगलवार रात राजेंद्र नगर थाने की पुलिस बालक व पिता यूसुफ को घर से उठा लाई और रातभर थाने में रखा। यूसुफ के स्वजन को पुलिस ने जानकारी दी कि पत्नी की शिकायत पर बच्चे व उसके पिता को उठाया है। अगले दिन बुधवार को अधिवक्ता धर्मेंद्र गुर्जर व विकास यादव ने हाई कोर्ट इंदौर में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका लगाकर इस आधार पर तत्काल सुनवाई की मांग की कि पुलिस को मासूम बच्चे को कस्टडी में लेने का अधिकार नहीं है। इस पर डिवीजन बेंच ने तत्काल सुनवाई कर फैसला सुरक्षित रख लिया। महिला ने कोर्ट में किया हंगामा सुनवाई के दौरान महिला भी हाई कोर्ट पहुंच गई और कोर्ट कक्ष के बाहर हंगामा किया कि उसे उसका बच्चा नहीं मिला तो खुदकुशी कर लेगी। वकीलों ने उसे समझाया। उधर, हाई कोर्ट ने अधिवक्ता के तर्क सुनने के बाद कहा कि चूंकि इनका प्रकरण फैमिली कोर्ट में चल रहा है इसलिए हाई कोर्ट बच्चे की कस्टडी तय नहीं कर सकती। फिलहाल बच्चे को उसकी मां को सौंप दिया जाए। कोर्ट बाद में निर्णय देगी। पुलिस ने बच्चे व उसकी मां को भोपाल भिजवा दिया।

तेंदुआ की आशंका में वन विभाग की टीम ने ताजपुर में लगाया पिंजरा

उज्जैन। पंवासा थाना क्षेत्र के ग्राम ताजपुर में ग्रामीणों ने तेंदुआ घूमने की शिकायत की है। वन विभाग की टीम ने बुधवार को गांव के बाहर खेत में पिंजरा लगाया है। हालांकि विभाग की टीम का कहना है कि गांव के आसपास लकड़बग्घा घूम रहा है।बता दें कि ग्राम ताजपुर व आसपास के लोगों ने वन विभाग को सूचना दी थी कि उनके गांव में तेंदुआ घूम रहा है। इस डर के कारण ग्रामीण खेतों में भी नहीं जा रहे हैं। गांव के सरपंच ने भी अलर्ट जारी कर दिया था। सूचना के बाद वन विभाग की रेस्क्यू टीम को मौके पर जांच के लिए भेजा गया था। खेतों व पगडंडियों में पगमार्क मिले हैं। जिसकी जांच में सामने आया था कि जिस जानवर को तेंदुआ बताया जा रहा है वह लकड़बग्घा है। पगमार्क के आधार पर इसकी पुष्टि हुई है। हालांकि इसके बाद भी ग्रामीण वन विभाग की बात नहीं मान रहें है। ग्रामीणों की आशंका को देखते हुए बुधवार को वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने गांव के बाहर खेत में पिंजरा लगाया है। जिसमें एक बकरी को बांधा गया है।

भविष्य की जरूरतों के लिए इंदौर तैयार

सीएम डा. यादव ने शहर में बनने वाले एलिवेटेड कारिडोर का किया शिलान्यास

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर का अपना जज्बा है और यह जो करता है, सबसे हटकर करता है। स्वच्छता में सातवीं बार यदि नंबर वन कोई शहर ज़आया है, तो वह इंदौर है। स्वच्छता में इंदौर ने इतिहास बनाया है। जैसे स्वच्छता में नंबर वन आए हैं, वैसे ही यातायात की समस्या का समाधान एलिवेटेड कारिडोर से होगा। 350 करोड़ रुपये की लागत से एमआर-9 एलआइजी चौराहे से नौलखा तक बनने वाले एलिवेटेड कारिडोर से आवागमन सुगम होगा। साथ ही व्यापार को भी फायदा होगा। आने वाले वर्षों में इंदौर, उज्जैन, देवास, पीथमपुर एक होने वाले हैं। इसके लिए जो बड़ी भूमिका निभाई जानी चाहिए वह इंदौर निभा रहा है। भविष्य और क्षेत्र की जरूरत के अनुसार इंदौर में विकास कार्य हो रहे हैं।ये बातें मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने राजवाड़ा चौक पर एलिवेटेड कारिडोर के शिलान्यास कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कही। उन्होंने रिमोट से एलिवेटड कारिडोर का शिलान्यास किया। इस दौरान लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित अन्य विधायक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने सदैव भगवान राम के मंदिर निर्माण के कार्य को उलझाए रखा। शपथ पत्र के साथ सुप्रीम कोर्ट में अड़ंगे लगाए, लेकिन मंदिर निर्माणकर्ताओं ने सबको साथ लेकर चलने के भाव से निमंत्रण दिया। कांग्रेस ने आने के बजाय बहुसंख्यक समुदाय की भावनाओं को आहत किया है। इसके लिए कांग्रेस को माफी मांगनी पड़ेगी। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि एलिवेटेड कारिडोर को बनाने की समय सीमा 24 माह तय की गई है, लेकिन हम इसको उससे पहले बना देंगे। विकास के कार्यों में किसी भी तरह की कमी नहीं रखी जाएगी। इंदौर में शुरू करना है मेडिकल टूरिज्म नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर में मेडिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर है। सेंट्रल इंडिया के सबसे अच्छे डाक्टर हमारे पास हैं। इंदौर में मेडिकल टूरिज्म शुरू करना होगा। इसके लिए विदेश से कनेक्टिविटी के लिए फ्लाइट चलानी होगी। इससे 500 करोड़ रुपये का टूरिज्म आ सकता है। हमारे यहां होटलें और अस्पताल अच्छे हैं। सभी सुविधाएं हैं। शिक्षा के लिए भी ऐसे ही काम करना होगा।

ज्ञान प्राप्ति के लिए पुरुषार्थ नहीं श्रद्धा जरूरी -स्वामी भास्करानंद

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। जिस तरह पत्थर को शिल्पकार अपनी छैनी-हथौड़ी से सुंदर प्रतिमा में बदल देते हैं, उसी तरह गुरू भी एक कुम्हार की तरह हमें ज्ञान को संग्रहित करने की परिपक्वता और पात्रता प्रदान करते हैं। जब तक परिपक्वता नहीं आएगी, ज्ञान रूपी अमृत हमारे पास नहीं टिक सकता। विद्वानों ने गीता को योग कहा है तथा रामचरित मानस को प्रयोग। किताबी ज्ञान और शिक्षा तथा गुरू के सानिध्य में प्राप्त ज्ञान में बहुत अंतर है। शास्त्रसम्मत बातों को अपने जीवन में उतारेंगे तो हमारे अंतर्मन में विराजित प्रभु राम जागृत हो जाएंगे। ज्ञान पुरुषार्थ से नहीं, श्रद्धा से प्राप्त होगा। यह बात वृंदावन के महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज ने कही। वे गीता भवन में आयोजित राम कथा महोत्सव में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा की बुद्धि पवित्र होगी तभी हमारे हृदय में विराजमान परमात्मा से हमारा साक्षात्कार होगा।हृदय में ईश्वर होते हुए भी बुद्धि की मलीनता के कारण ही हम परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर पाते हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने मानस में सबसे पहले विद्या की देवी सरस्वती की वंदना की है। श्रद्धा और विश्वास के रूप में भवानी शंकर की वंदना की गई है। इन दोनों की कृपा इसिलए भी जरूरी है कि उनकी कृपा के बिना ईश्वर के दर्शन संभव नहीं है चाहे वह संसारी हो, साधक हो या कोई सिद्ध हो। हमारे मन की अपेक्षाएं और कामनाएं ही हमारे दुख का कारण है। बुद्धि यदि पवित्र होगी तो मन को बुरे कामों से रोक देगी। मन को बांधने का काम बुद्धि ही करती है। बुद्धि की पवित्रता ही अंतरमन के चक्षुओं को खोलती है।

इंदौर में चोर से लाखों रुपये का सोना नकदी जब्त, सुनार भी गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

निजी कंपनी के अधिकारी के फ्लैट में हुई लाखों रुपये की चोरी में द्वारकापुरी के बदमाश शामिल थे।पलासिया पुलिस ने एक चोर से लाखों रुपये का सोना जब्त कर लिया है।चोरी के आभूषण खरीदने वाले सुनार को भी मुलजिम बनाया गया है।हालांकि गिरोह के एक सदस्य महंगे आभूषण लेकर अभी भी फरार है।मनोरमागंज स्थित नव रिजेंसी में आरआर गोयल के फ्लैट में चोरी हुई थी। चोर सोना-चांदी और हीरे के आभूषणों सहित करीब डेढ़ लाख रुपये कैश चुरा कर ले गए थे। पुलिस ने फोरेंसिक अफसरों की सहायता ली और मौके से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटा लिए। अलमारी और दरवाजे से चोरों के फिंगर प्रिंट भी मिल गए। इसी आधार पर पुलिस ने द्वारकापुरी थाना क्षेत्र स्थित आकाश नगर से आरोपित कुंदनसिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसने साथी समित सिकलीगर के साथ चोरी करना स्वीकार लिया। आरोपित के घर तलाशी ली और 104 ग्राम वजनी सोने का बिस्किट बरामद कर लिया। कुंदन ने बताया चोरी का माल सुनार हेमेंद्र पांडे निवासी द्वारकापुरी को बेचा था। पुलिस ने पांडे को गिरफ्तार कर

95000 रुपये जब्त कर लिए। पुलिस के मुताबिक कुंदन शातिर अफराधी है। उसके विरुद्ध कई राज्यों नें चोरी और लूट के अपराध पंजीबद्ध है। **घर से आभूषण और नकदी चोरी** एरोड्रम थाना क्षेत्र स्थित विद्या पैलेस में भी चोरी की घटना हुई। चोर घर से आभूषण और नकदी चुरा कर ले गए। पुलिस ने फरियादी सरोज कुमार गेहलोत की शिकायत पर केस दर्ज किया है। गेहलोत के मुताबिक खुले दरवाजे से प्रवेश कर चोर सोना-चांदी के आभूषण और 50 हजार कैश चुरा कर ले गए।

इंदौर में गर्म तवे पर लाल मिर्ची की धूनी दी रैलिंग से बांध बच्चियों को उल्टा लटकाया

सिटी चीफ इंदौर।

नाथाश्रम वात्सल्यपुरम में सनसनीखेज कांड उजागर हुआ है। आश्रम में बच्चियों के साथ बर्बरता हो रही थी। उन्हें तरह तरह से टार्चर किया जा रहा था। विजय नगर पुलिस ने बाल कल्याण समिति की रिपोर्ट पर मैनेजर, केयर टेकर सहित पांच के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआइआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष पल्लवी पोरवाल द्वारा लिखित रिपोर्ट पेश की गई थी। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आयुषी, सुजाता, सुमन चंदेल, आरती और बबली के विरुद्ध धारा 323 और जेजे एक्ट की धारा 75 के तहत केस दर्ज कर लिया।बच्चियों की पीड़ा सुनकर चौंक गई समिति बच्चियों ने समिति के समक्ष बताया कि आयुषी केयर टेकर है। सुजाता मैनेजर है। आरती और सुमन चंदेल भी मैनेजर के रुप में कार्य कर

चुकी है। बबली करीब तीन महीने के लिए काम करने आई थी। इनके द्वारा बच्चों के साथ अत्यंत निर्ममतापूर्वक पिटाई की जाती थी। आयुषी और सुजाता ने पहली मंजिल से रैलिंग से उल्टा लटका दिया था। अन्य बच्चों को गर्म तवे पर लाल मिर्च रखकर धुनी दी जाती थी। दो बच्चों को ऊपर से नीचे फेंक दिया था। एक बच्चे को आयुषी ने गर्म चिमटे से जलाया। समिति ने सभी बच्चों के कथन लिए और शरीर पर चोट के निशान भी दिखाए। कुछ बच्चों ने बताया कि एक बच्ची को बाथरुम में बंद रखा और दो दिन तक खाना नहीं दिया। बगैर रजिस्ट्रेशन चल रहा था आश्रम आश्रम वात्सल्यपुरम स्कीम-78 बाल किशोर न्याय अधिनिमय की धारा 41 के तहत बगैर रजिस्ट्रेशन करवाए चल रहा था। 13 जनवरी को एसडीओ घनश्याम धनगर ने जांच की और सील कर दिया। उस वक्त आश्रम में 21 बालिकाएं थी। मामले में समिति द्वारा जांच की गई।

दिल्ली और बेंगलुरु में खराब मौसम, देरी से आ रही उड़ानें

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। दिल्ली में कोहरे का असर देशभर की विमान सेवाओं पर दिखाई दे रहा है। बुधवार को बेंगलुरु में कोहरे के कारण बेंगलुरु-इंदौर उड़ान निरस्त हो गई। दक्षिण भारत और दिल्ली में कोहरे के कारण 20 से अधिक उड़ानें देरी से आईं-गईं। गत तीन दिन से हवाई सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।अब दक्षिण भारत में भी कोहरा होने से बेंगलुरु से इंदौर आने वाली इंडिगो की 6ई6743 निरस्त हो गई, वहीं इंडिगो की 6ई902 दिल्ली-इंदौर उड़ान 2.20 घंटे देरी से इंदौर पहुंची। हैदराबाद उड़ान भी एक घंटा देरी से इंदौर पहुंची। करीब 20 विमानों का शेड्यूल गडबड़ा गया। उड़ानें निरस्त होने और घंटों लेट होने से सबसे अधिक परेशानी यात्रियों को उठानी पड़ी। विमान कंपनियों ने उड़ानें लेट होने की जानकारी नहीं दी।

इंदौर के 300 साल पुराने मंदिर में होते हैं प्रभु राम के बाल स्वरूप के दर्शन

सिटी चीफ इंदौर।

हर के पश्चिम क्षेत्र में स्थित 300 साल पुराना पंचकुइया स्थित श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के दिन दीपोत्सव की तैयारी है। यहां 300 साल से ज्यादा पुरानी श्याम वर्ण की भगवान की मूर्ति है। उनकी देखरेख एक बालक की तरह संत और पुजारियों द्वारा मिलकर की जाती है।राम नवमी पर विशेष उत्सव मनाया जाता है। यह जन्म आरती का स्वरूप अयोध्या में होने वाली रामलला की तर्ज पर की जाती है। पुजारियों के मुताबिक भगवान को सुबह मंगल आरती के बाद सूखे-मेवे मिष्ठान का भोग लगाया जाता है। श्रृंगार आरती के बाद माखन-मिश्री का भोग लगाया जाता है। दोपहर 12 बजे राजभोग आरती होती है। शाम चार बजे भगवान के सोकर उठने पर उन्हें जल पिलाया जाता है। फल का भोग अर्पित किया जाता है। शाम को शयन के

समय दूध का भोग भी लगाया जाता है। आश्रम में उपलब्ध शिलालेख के अनुसार मूर्ति की प्रतिष्ठा राम नवमी पर पुष्य नक्षत्र में हुई है। इस अवसर पर मंगलकारी संयोग बना था। मंदिर की स्थापना ठाकुरदास गुरु प्रहलाददास महाराज ने की थी। यहां राम की श्याम वर्ण, जबकि कृष्ण की गौर वर्ण की मूर्ति है। पंचकुइया पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर रामगोपालदास बताते हैं कि शालिग्राम विग्रह के रूप में भगवान विराजित है। प्रतिष्ठा के मौके पर 1008 दीपों से आरती होगी।

इंदौर के सबसे अमीर विनोद अग्रवाल को अयोध्या में मिली 20 करोड़ की जमीन

सिटी चीफ इंदौर।

श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में विकास कार्यों के लिए शासकीय स्तर पर भूमि आवंटन का प्रथम चरण पूरा हो चुका है। इसमें शहर के उद्योगपति व समाजसेवी विनोद अग्रवाल के बालाजी सेवार्थ को 20 करोड़ रुपये की भूमि का आवंटन किया गया है। इस भूमि पर तीर्थयात्रियों की सुविधा और सेवा के लिए 75 हजार वर्गफीट में सामुदायिक भवन व अन्य निर्माण कार्यों की योजना है। भूमि आवंटन मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट नव्य अयोध्या भव्य अयोध्या के अंतर्गत ग्रीनफील्ड आवासीय योजना के पहले चरण के तहत किया गया है।इसके तहत कुल 1407 एकड़ भूमि का विकास किया जाएगा। योजना के अनुसार ग्रुप हाउसिंग से लेकर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, विभिन्न राज्यों, कमर्शियल एरिया और मठ एवं धर्मशालाओं के लिए भूमि आवंटित की जाएगी। दुनियाभर से लोगों ने

इसके लिए आवेदन किए थे, जिसमें से प्रथम चरण के अंतर्गत बालाजी सेवार्थ को चुना गया है। उल्लेखनीय है कि बालाजी सेवार्थ के अंतर्गत विगत कई वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, धर्म व आध्यात्म के क्षेत्रों में विभिन्न सेवा गतिविधियां संचालित की जा रही है। इसमें महाकाल की नगरी उज्जैन में बना अन्नक्षेत्र भी शामिल है। अयोध्या में दर्शन व पर्यटन के लिहाज से आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या में और बढ़ोतरी होगी। ऐसे में उनके ठहरने के लिए सुविधायुक्त स्थान की आवश्यकता को देखते हुए सामुदायिक भवन के निर्माण की योजना बनाई गई है। भक्तों को सरयू नदी में स्नान के लिए ज्यादा दूरी नहीं तय करनी पढेगी इस परियोजना में पवित्र पुण्यदायिनी सरयू नदी को इस तरह से प्लाट्स के बीच से बहने की जगह बनाई गई है कि भक्तों को स्नान के लिए ज्यादा दूरी तय न करनी पड़े। रामलला के मंदिर से मात्र तीन किलोमीटर की दूरी पर उत्तरप्रदेश आवास विकास परिषद द्वारा, लखनऊ-अयोध्या हाइवे पर यह स्थान धार्मिक व सांस्कृतिक संस्थानों के लिए विशेष रूप से आवंटित किए गए हैं। इस भूमि आवंटन के अलग अलग सेग्मेंट्स के लिए दुनियाभर से नामांकन आमंत्रित किये गए थे , जिनको उनके द्वारा चलाये जा रहे अभियानों, उनके योगदान और सहयोग कार्यों का आंकलन एक विशेष कमेटी द्वारा किया गया। एक कठिन चयन प्रक्रिया के बाद चुने गए संस्थानों में बालाजी सेवार्थ का नाम शामिल हुआ है। यह इंदौर के लिए गौरव की बात है।

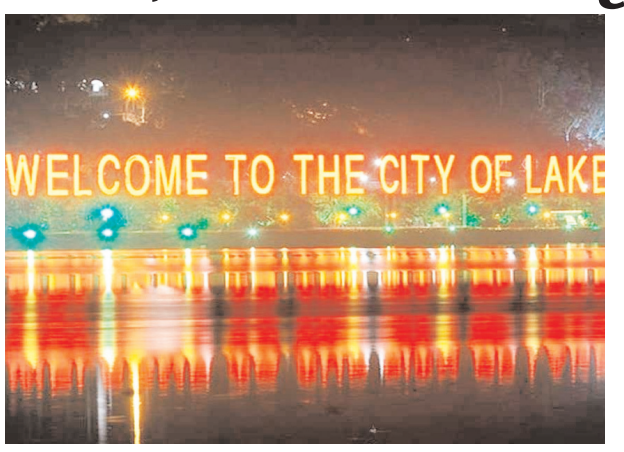

बिड़ला संग्रहालय में रामायण पर केंद्रित प्रदर्शनी का शुभारंभ आज, शहीद भवन में नृत्य नाटिका

सिटी चीफ भोपाल। शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। मंगलवार 16 जनवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।रामायण प्रदर्शनी – जीपी बिड़ला संग्रहालय में रामायण के कथानकों पर केंद्रित आठ दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी का शुभारंभ सुबह दस बजे होगा। रामकथा महोत्सव – नेहरू नगर के श्री सिद्धेश्वर मंदिर में श्री रामकथा महोत्सव का आयोजन किया

जाएगा। समय ़ दोपहर 12 बजे। माह का प्रादर्श – इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मावन संग्रहालय के वीथि संकुल में माह का प्रादर्श के रूप में टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है। युवा उत्सव – बरकतउल्ला विश्विद्यालय के अंतर जिला विश्वविद्यालय स्तरीय युवा उत्सव के दूसरे दिन ज्ञान विज्ञान भवन समेत दो अन्य स्थानों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित होंगी। समय दोपहर 12 बजे से है। चित्र प्रदर्शनी – मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय किया जा रहा है। प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है। नृत्य नाटिका – निराला सृजनपीठ की ओर से शहीद भवन में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर व्याख्यान, रचना पाठ एवं नृत्य नाटिका का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम शाम 3.30 बजे से शुरू होंगे। पुस्तक विमोचन – अस्मि प्रकाशन द्वारा हिंदी भवन के महादेवी वर्मा कक्ष में साझा काव्य संकलन राम काव्य रसधार का विमोचन किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य अकादमी के निदेशक डा. विकास दवे करेंगे। कार्यक्रम शाम चार बजे से शुरू होगा।

पत्नी-बच्चों को लेने ससुराल पहुंचे युवक ने पी लिया जहरीला पदार्थ, मौत

सिटी चीफ भोपाल। शहर के खजूरी सड़क थाना इलाके के ग्राम तूमड़ा में एक युवक ने अपनी ससुराल के पास जहरीला पदार्थ पी लिया था। घटना सोमवार रात की है। युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान मंगलवार को उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।यह है मामला खजूरी सड़क थाना पुलिस के मुताबिक 35 वर्षीय आजाद सिंह पुत्र नन्नू लाल सिंह मूल रूप से भैंसाखेड़ी का रहने वाला था। वर्तमान में वह परवलिया इलाके में पत्नी और बच्चों के साथ रह रहा था। वह पुताई के ठेके लेता था। मकर संक्रांति के दिन पत्नी बच्चों के साथ मायके आई हुई थी। सोमवार की रात को आजाद शराब के नशे में तूमड़ा स्थित ससुराल पहुंचा। यहां पर उसने नशे में ससुराल वालों के

साथ जमकर विवाद किया। इस वजह से पत्नी ने उसके साथ जाने से मना कर दिया। साथ ही घटना की सूचना पुलिस को दे दी। इस बात का पता चलने पर आजाद वहां से चला गया। देर रात उसे गांव में बदहवास पड़ा देखा गया। पता चला कि उसने जहरीला पदार्थ पी लिया है। गांव के लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती करा दिया था। मंगलवार रात उसने दम तोड़ दिया। ट्रेन से कटकर युवक की मौत उधर, गौतम नगर थाना इलाके में मंगलवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। गौतम नगर थाना पुलिस के मुताबिक मंगलवार सुबह 11 बजे सूचना मिली थी कि श्रीनगर कालोनी के पास रेलवे पटरी पर एक युवक का शव पड़ा हुआ है। पुलिस ने शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान निशातपुरा निवासी 45 वर्षीय देवचंद्र पुत्र रामगोपाल यादव निवासी निशातपुरा के तौर पर हुई।

एमपी नगर में न्यायाधीश के वाहन समेत अन्य कारों में तोड़फोड़ करने वाले बदमाश गिरफ्तार

सिटी चीफ भोपाल। शहर के एमपीनगर थाना क्षेत्र में पिछले दिनों न्यायाधीश के वाहन सहित सात कारों में तोड़फोड़ करने वाले बदमाशों को क्राइम ब्रांच की टीम ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित घटना के बाद खुलेआम घूम रहे थे, जिनकी पहचान पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर की गई और फिर टीमें उनकी तलाश में जुट गई थीं। पुलिस टीम आरोपितों से उनके फरार साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है।क्राइम ब्रांच पुलिस के मुताबिक 14 जनवरी को मोहन सिंह ने बताया था कि वह अपने साथी राकेश वर्मा के साथ एमपी नगर में 12 जनवरी को न्यायाधीश नरेंद्र प्रताप सिंह को शासकीय वाहन से लेकर आया था। साथ ही राकेश निजी वाहन से न्यायाधीश प्रवीण व्यास को लेकर आया था। एमपी नगर स्थत होटल लेमन ट्री की पार्किंग में वाहन खड़े कर दिए थे। इसी दौरान 13 जनवरी

की रात साढ़े बारह बजे पांच से छह बदमाशों ने हाकी, तलवार, डंडे और राड से वाहनों में तोड़फोड़ कर दी थी। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ तोड़फोड़, धमकी सहित अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी कैमरे से मिले सुराग आधार पर आरोपितों की पहचान कर मुखबिरों को सक्रिय किया। मुखबिर से मिली थी सूचना इसी बीच बुधवार को सूचना मिली कि आरोपित अंगीठी रेस्टोरेंट कमला पार्क के पास हर्बल कैफे में आने वाले हैं। इससे मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपितों को धर दबोचा और पूछताछ की तो उन्होंने अपनी पहचान यश सराठे, कैलाश कुर्रे, अंकित विश्वकर्मा और अंकित धरकर के रूप में बताई है। आरोपितों ने अपने साथी शनि मल्हारे और दो अन्य साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है।

जिले के ग्रामीण इलाकों में 23 प्रतिशत किशोर औपचारिक शिक्षा से दूर, 39.6 प्रतिशत लड़कियां भी पढ़ाई से वंचित

सिटी चीफ भोपाल। राजधानी भोपाल के 14 से 18 वर्ष की आयु के बीच के 22.9 प्रतिशत किशोर औपचारिक शिक्षा से बाहर हो चुके हैं। यह किसी निजी या सरकारी संस्थान से पढ़ाई या प्रशिक्षण प्राप्त नहीं कर रहे हैं। वहीं लड़कियों की स्थिति इससे भी खराब है। जिले के 14 से 18 वर्ष 39.6 प्रतिशत लड़कियां किसी भी संस्थान से शिक्षा नहीं ले रही हैं। बुधवार को जारी वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट %असर 2023 में यह खुलासा हुआ है।साठ गांवों में हुआ सर्वे एएसईआर 2023 'बियांड बेसिक्स' सर्वेक्षण 26 राज्यों के 28 जिलों में आयोजित किया गया था, जिसमें 14-18 वर्ष के आयु वर्ग के कुल 34 हजार 745

प्रतिभागी शामिल हुए। प्रदेश से राजधानी भोपाल और जबलपुर को शामिल किया गया। इस सर्वे में भोपाल के 60 गांवों में 1193 घरों के 1514 किशोर-किशोरियों को शामिल किया गया। रिपोर्ट में पाया गया कि भोपाल ग्रामीण में 14 से 18 वर्ष की आयु के 47.6 प्रतिशत किशोर अंग्रेजी के आसान वाक्य भी नहीं पढ़ सकते हैं, जबकि 38.5 से अधिक बच्चों को सरल भाग (डिविजन) करने में कठिनाई होती है। रिपोर्ट में कहा गया,इस आयु वर्ग के लगभग 37 प्रतिशत प्रतिभागी अब भी अपनी क्षेत्रीय भाषा में कक्षा दो के स्तर का पाठ धाराप्रवाह नहीं पढ़ सकते हैं। आधे बच्चे ही अंग्रेजी पढ़ने में सक्षम रिपोर्ट में कहा गया है, प्रतिभागियों में से लगभग आधे (47.6 प्रतिशत) अंग्रेजी में वाक्य नहीं पढ़ पाते। जो लोग अंग्रेजी में वाक्य पढ़ सकते हैं, उनमें से लगभग तीन-चौथाई उनके अर्थ बता सकते हैं। एएसईआर रिपोर्ट का उपयोग सरकार द्वारा नीतियां बनाते समय भी किया जाता है। वित्तीय गणना को लेकर यह हाल रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रतिभागियों में से 14से 16 वर्ष की आयु के बीच के 47.1 प्रतिशत बजट का प्रबंधन जानते हैं। जबकि 17 से 18 वर्ष आयु वर्ग के 55.4 प्रतिशत लोग बजट प्रबंधन जानते हैं।

अभिभाषक संघ के पदाधिकारियों ने ली शपथ

वकीलों के लिए 50 हजार रुपये तक चिकित्सकीय सहायता की घोषणा

सिटी चीफ भोपाल। जिला अभिभाषक संघ, भोपाल की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का बुधवार को शपथ ग्रहण समारोह न्यायालय परिसर में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कार्यवाहक जिला प्रधान न्यायाधीश कमल जोशी मौजूद रहे। मुख्य चुनाव अधिकारी रवींद्र तिवारी ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई।इस अवसर पर अभिभाषक संघ के नव-निर्वाचित अध्यक्ष दीपक खरे ने मंच से घोषणा करते हुए कहा कि वकीलों के लिए मेडिकल सहायता 25 हजार से बढ़ाकर 50 हजार और मृत्यु होने पर राशि 2.50 लाख से बढ़ाकर 3 लाख की जा रही है। यह राशि 2014 के 10 साल बाद बढ़ाई गई है। उन्होंने मल्टी लेवल पार्किंग का निर्माण जल्द से जल्द कराने की

बात कही। **इन्होंने ली शपथ** संघ की वर्ष 2023-25 की नव निर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष- दीपक खरे, उपाध्यक्ष- संजय श्रीवास्तव, सचिव- मनोज श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष – बृज बिहारी रघुवंशी, पुस्तकालय अध्यक्ष- सुधीर दुबे और सह सचिव- सोनल नायक ने शपथ ग्रहण की। वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य हीरू शर्मा, अनुराग दुबे, मनोहर पाठक, अभिमन्यु यादव, अनिल पाटिल, राजेश कुमार शामिल हैं। इसी तरह महिला वरिष्ठ कार्यकारिणी में विभा श्रीवास्तव और अन्य तथा कनिष्ठ पुरुष कार्यकारिणी में नरेंद्र सिंह सलूजा, अनिल जाट, अंजोर चतुर्वेदी, अनंत संजर, कनिष्ठ महिला कार्यकारिणी में प्रियंका जोशी, ऋचा पांडे और अन्य ने जीत दर्ज की थी।

भवानी चौक पर 11 हजार दीपों से बनाई रंगोली

सभी मंदिरों में जोर-शोर से चल रही रामलला के स्वागत की तैयारी

सिटी चीफ भोपाल। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के शुभारंभ के साथ ही राजधानी के मंदिरों में भी धार्मिक कार्यक्रमों और साज सज्जा का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी क्रम में बुधवार को पुराने शहर के सोमवारा में स्थित भवानी चौक कर्फ्यू वाली माता मंदिर में सेवा संकल्प युवा संगठन के द्वारा दीपोत्सव मनाया गया। इस दौरान मंदिर में भगवा रंग की आकर्षक रंगोली सजाई गई। संगठन द्वारा मंदिर परिसर में 5100 सौ दीपों से भव्य रंगोली को रोशन किया गया। अध्यक्ष प्रकाश मालवीय ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव भगवा रंग की रंगोली से अंकित रहा। इसमें 21 किलो भगवा रंग का इस्तेमाल किया गया। साथ ही 5100 दीपक जलाए गए। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला 22 जनवरी तक जारी रहेगा।रामलला प्राण प्रतिष्ठा के पावन मौके पर शहर के प्राचीन श्रीराम मंदिर गुरुबख्श की तलैया में दो दिन तक आयोजन होंगे। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पंडित ओम मेहता ने बताया कि 21 जनवरी को श्रीरामचरितमानस पाठ से इसका शुभारंभ होगा। 22 जनवरी की सुबह नौ बजे उसका समापन होगा। 9.30 बजे से भक्ति संगीत का आयोजन दोपहर तक चलेगा। 12.30 बजे महाआरती के बाद महाप्रसादी

वितरण का आयोजन रखा गया, जो शाम तीन बजे तक चलेगा। अयोध्या में रामजी की प्राण प्रतिष्ठा के रूप में शाम को 11 हजार दीपों से पूरे मंदिर को रोशन किया जाएंगा। रघुवंशी समाज अर्पित करेगा 11 किलो चांदी का धनुष-बाण अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के पहले शहर राममय होने लगा है। कहीं आमंत्रण कार्डों का वितरण हो रहा है तो कहीं कार्यक्रम। इसी के तहत रघुवंशी समाज भी विशेष तैयारी कर रहा है। समाज द्वारा अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रामनवमी को 11 किलो चांदी का धनुष बाण अर्पित किया जाएगा। राम जानकी मंदिर में होगा विशेष अनुष्ठान महापरिषद की ओर से भोपाल के अयोध्या नगर के राम जानकी मंदिर में 22 जनवरी को विशेष अनुष्ठान होंगे। मंदिर में सुंदरकांड होगा। साथ ही अयोध्या का लाइव प्रसारण दिखाने के लिए यहां एलइडी स्क्रीन भी लगाई जाएगी। प्रदेश संगठन मंत्री सुरेंद्र शंकर सिंह रघुवंशी ने बताया समाज के लोगों से अपील की है कि वे मंदिर में भजन कीर्तन, शंखध्वनि, घंटानाद करें और रात्रि में अपने-अपने घरों में दीप जलाएं।

मप्र के मंदिरों-नदियों में 22 जनवरी को होगा दीपदान

22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रदेश के सार्वजनिक स्थानों के साथ प्रमुख मंदिरों में बड़ी-बड़ी स्क्रीन लगाकर किया जाएगा। मंदिरों-नदियों में दीपदान होगा।उज्जैन, रतलाम, देवास, सीहोर, सलकनपुर, छिंदवाड़ा, अमरकंटक, जबलपुर आदि स्थानों पर बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शासकीय भवनों में 21 से 26 जनवरी तक रोशनी की जाएगी। चित्रकूट, ओरछा जैसे महत्व के स्थानों पर विशेष आयोजन होंगे। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कही ये बात यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित करते हुए दी। साथ ही बताया कि वे स्वयं भी 22 जनवरी को ओरछा में रहेंगे। सरकार प्रदेशवासियों को अयोध्या मंदिर दर्शन के लिए ले जाएगी। मंत्रियों कहा गया कि वे इन यात्राओं में साथ रहें। श्री रामचंद्र पथ गमन न्यास की पहली बैठक का उल?लेख डा.यादव ने चित्रकूट में 16 जनवरी को हुई श्री रामचंद्र पथ गमन न्यास की पहली बैठक का उल्लेख करते हुए कहा कि राम वन पथ गमन के विकास की कार्य योजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। प्रथम चरण में पथ के अयोध्या से चित्रकूट तक के विकास के लिए मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सरकारों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में गतिविधियां संचालित की जाएंगी। पांच विशेषज्ञों की समिति बनाकर कार्य आरंभ किया जाएगा, जो क्षेत्र चिह्नित है वहां पहले कार्य आरंभ होगा। चित्रकूट का विकास किया जाएगा। अमरकंटक का विकास व मंदाकिनी नदी का संरक्षण भी समन्वित रूप से किया जाएगा। मध्य प्रदेश में मनेगा उत?सव अयोध्या में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर 22 जनवरी को प्रदेश में उत्सव मनाया जाएगा। इसके लिए विशेष कार्य योजना बनाई गई है। बाबा महाकाल मंदिर से पांच लाख लड्डू अयोध्या भेजे जा रहे हैं। प्रदेश में सभी स्थानों पर प्रभात फेरी, कलश यात्रा जैसे आयोजन किए जा रहे हैं। मंत्रियों से उन्होंने कहा कि मंदिरों में 11 से 22 तक चलने वाले स्वच्छता अभियान में सभी मंत्री और जनप्रतिनिधि भाग लें। ग्राम पंचायतों में होगा रामचरित मानस का पाठ मुख्यमंत्री ने बताया कि मंदिरों और नदियों में 22 जनवरी को दीपदान की व्यवस्था की जाएगी।

मप्र के 14 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल । वर्तमान में मध्य प्रदेश के मौसम को प्रभावित करने वाली कोई प्रभावी मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है। हवाओं का रुख भी बार-बार बदल रहा है। उत्तर भारत में न्यूनतम तापमान काफी कम बना हुआ है। वहां से लगातार आ रही सर्द हवाओं के कारण पूरे प्रदेश में रात के तापमान में गिरावट होने लगी है। साथ ही प्रदेश के उत्तरी एवं पूर्वी क्षेत्र में सुबह के समय घना कोहरा भी छा रहा है।इसी क्रम में बुधवार को प्रदेश में सबसे कम पांच डिग्री सेल्सियस तापमान खजुराहो में दर्ज किया गया। प्रदेश के 14 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का पारा 7.6 डिग्री सेल्सियस पर रहा। बुधवार को खजुराहों में तीव्र शीतल दिन रहा। नौगांव, टीकमगढ़ एवं सतना में शीतल दिन रहा। मौसम

विज्ञानियों के मुताबिक अभी तीन-चार दिनों तक मौसम का मिजाज इसी तरह बने रहने के आसार हैं।

वर्तमान में वातावरण शुष्क

मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अशफाक हुसैन ने बताया कि वर्तमान में वातावरण शुष्क बना हुआ है। उत्तर भारत में कोहरा छाए रहने के साथ ही न्यूनतम तापमान काफी कम है। उधर शाम के समय हवाओं का रुख भी उत्तर-पूर्वी एवं उत्तर-पश्चिमी हो जाता है। उत्तर भारत की तरफ से आने वाली सर्द हवाओं के कारण रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। इस तरह की स्थिति अभी तीन-चार दिन तक बनी रह सकती है। सुबह के समय घना कोहरा मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि प्रदेश के ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर, शहडोल, जबलपुर संभाग में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहता है। हालांकि उत्तर-पश्चिमी राजस्थान एवं उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात मौजूद हैं। कहीं-कहीं बादल छा सकते हैं

इसके अतिरिक्त लगभग 12 किलोमीटर की ऊंचाई पर वेस्टर्न जेट स्ट्रीम (पश्चिम से पूर्व की तरफ काफी तेज रफ्तार से बहने वाली हवाओं का समूह) भी मौजूद है। इसके प्रभाव से कोहरे का असर बरकरार बना हुआ है। उधर कर्नाटक से लेकर विदर्भ तक बनी एक द्रोणिका के असर से गुरुवार को जबलपुर, शहडोल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बादल छा सकते हैं।

संपादकीय

उनके राम, अपने राम, सबके राम, हमारे 'राम'

आज पूरा देश ही नहीं, कमोबेश दुनिया का एक बहुत बड़ा हिस्सा राममय होता जा रहा है। जैसे-जैसे 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भव्य उद्घाटन का समय नजदीक आ रहा है, अनेक जमातों के कई उपद्रवियों ने मुसलमानों से अनुचित अपील की है, उनसे घर के अंदर रहने और ट्रेन यात्रा से बचने का आग्रह किया है। ऐसी कार्रवाइयों के बावजूद, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि ये गुमराह अपीलें देश की एकजुट भावना को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पूरे देश के लोगों ने शांतिपूर्ण ढंग से स्वीकार कर लिया है। देश एकजुट है और कुछ शरारती तत्वों की राजनीतिक चालें सद्भाव और स्वीकार्यता के समग्र परिवेश पर भारी नहीं पड़नी चाहिए। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन में वैश्विक स्तर पर 7,000 से अधिक अतिथियों के आने का अनुमान है, कम से कम एक महीने तक 3-5 लाख दैनिक आगंतुकों की उम्मीद है। तीर्थयात्रियों की यह वृद्धि विभिन्न व्यवसायों के लिए आकर्षक अवसर उपलब्ध करवाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उक्त तिथि को दोपहर 12:15 बजे के आसपास अनुष्ठान करेंगे और 2.77 एकड़ में फैले नागर शैली के मंदिर में गुलाबी बलुआ पत्थर का निर्माण और भगवान राम का प्रतिनिधित्व करनेवाला एक उल्लेखनीय शालिग्राम पत्थर है। तीन मंजिल की संरचना में भगवान राम और हनुमान के लिए समर्पित स्थान, एक संग्रहालय, एक यज्ञशाला, एक सामुदायिक रसोई और एक चिकित्सा सुविधा शामिल है, जो 67 एकड़ में फैली हुई है। मंदिर के इतिहास में 16वीं शताब्दी में बाबर द्वारा इसका विध्वंस, उसके बाद मस्जिद निर्माण और 1992 में विध्वंस, भारत सरकार द्वारा गठित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की देखरेख में राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के पक्ष में अयोध्या विवाद का निपटारा शामिल है। विचारणीय है कि पिछले 495 वर्षों से चला आ रहा अयोध्या श्री राम जन्मभूमि विवाद सन् 1528 ई. में भगवान् श्री राम की जन्मभूमि माने जानेवाले स्थान पर एक मस्जिद के विवादित निर्माण के साथ उत्पन्न हुआ था। इससे सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया, जिसके अंग्रेजों को सन् 1859 ई. में बाड़ लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे हिंदुओं और मुसलमानों दोनों के लिए सीमित पहुंच प्रदान की गई। सन् 1949 ई. में विवाद तब और बढ़ गया, जब मस्जिद के अंदर मूर्तियाँ पाई गईं, जिसके बाद कानूनी लड़ाई आरंभ हुई और अंततः सन् 2019 ई. में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में हिंदुओं को 2.77 एकड़ जमीन आवंटित की गई। 6 दिसंबर 1992 ई. की विवादास्पद घटनाओं में विवादित ढाँचे का विध्वंस हुआ, जिससे बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे। सन् 2010 ई. में, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने विवादित भूमि को सुन्नी वक्फ बोर्ड, श्री रामलला विराजमान और निर्मोही अखाड़े के बीच विभाजित कर उन्हें आवंटित कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सन् 2011 ई. में इस फैसले पर रोक लगा दी, सन् 2017 ई. में अदालत के बाहर समाधान का आग्रह किया। हालाँकि , कोई समाधान नहीं होने पर, अदालत ने सन् 2019 में दैनिक सुनवाई शुरू की, जिसका समापन 9 नवंबर, 2019 को राम जन्मभूमि के पक्ष में एक ऐतिहासिक फैसले में हुआ। सन् 2020 में 28 वर्षों के बाद, मूर्तियों को स्थानांतरित किया गया और 5 अगस्त को निर्माण शुरू हुआ। अंततः, 22 जनवरी, 2024 को रामलला के भव्य मंदिर की प्रतिष्ठा, भारत के इतिहास में इस लंबे और विवादास्पद अध्याय के निर्णायक समापन का प्रतीक है। देश में सर्वोच्च न्यायिक प्राधिकारी के रूप में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका उसके निर्णयों की व्यापक स्वीकृति की माँग करती है, भले ही वे किसी विशिष्ट धार्मिक समुदाय के पक्ष में हों, चाहे वह हिंदू हों या मुस्लिम। हिंदू समुदाय के पक्ष में राम मंदिर के फैसले के मामले में, हर किसी के लिए फैसले को सम्मान के साथ स्वीकार करना महत्वपूर्ण है, यह समझते हुए कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला हमारी कानूनी प्रणाली में अंतिम निर्णय है। इस नजरिए से संभावित दंगों की निराधार अफवाहों को स्पष्ट रूप से खारिज किया जाना चाहिए, क्योंकि शांतिपूर्ण माहौल को बढ़ावा देना सर्वोपरि है। यहाँ यह जानना और पहचानना अनिवार्य है कि यदि निर्णय मुस्लिम समुदाय के पक्ष में होता, तो वही सम्मान और स्वीकृति आवश्यक होती। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में न्यायपालिका की पवित्रता को क़ायम रखना सामाजिक सद्भाव के लिए आवश्यक है। व्यक्तिगत संबद्धताओं की परवाह किए बिना एकता पर जोर देना, न्याय के सिद्धांतों और कानून के शासन के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता सुनिश्चित करता है, जिससे देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को मजबूती मिलती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ ने %दीपोत्सव% नामक एक हृदयस्पर्शी एवं समावेशी पहल की है, जो 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के अंदर भगवान् राम की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले देशभर में 1,200 दरगाहों और मस्जिदों को मिट्टी के दीयों से रोशन करने की योजना बना रही है। 12 से 22 जनवरी तक निर्धारित यह कार्यक्रम एकता और समावेशी समाज के लिए एक सुंदर भाव का प्रतीक है। भाजपा अल्पसंख्यक विंग के संयोजक यासर जिलानी ने साझा किया, हमने देश भर में 1,200 छोटी/बड़ी मस्जिदों, दरगाहों और अन्य मुस्लिम धार्मिक स्थानों की पहचान की है, जहां हम दीये जलाएंगे। अकेले दिल्ली में, जामा मस्जिद और निज़ामुद्दीन दरगाह सहित 36 महत्वपूर्ण स्थानों से संबद्ध लोग भाग लेंगे। 30 दिसंबर को अपनी अयोध्या यात्रा के दौरान, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी को दीये जलाने का आह्वान किया, जिससे इसे देशव्यापी दिवाली उत्सव में बदल दिया गया। उन्होंने 14 से 22 जनवरी तक तीर्थ स्थलों और मंदिरों में स्वच्छता अभियान को प्रोत्साहित किया। सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह विचारशील पहल, विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों और जातीयताओं के लोगों को एक साथ लाने की भाजपा की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जैसे ही भगवान राम का %प्राण प्रतिष्ठा% समारोह शुरू होता है, जो एक महत्वपूर्ण घटना है, राष्ट्र सामूहिक रूप से एकता, भाईचारे और सद्भाव की भावना का जश्न मनाता है। सभी धर्मों को स्वीकार करने और उनका सम्मान करने में, हम भारत के सच्चे लोकाचार को अपनाते हैं, जो उन मूल्यों का प्रतीक है जो हम सभी को एकजुट करते हैं। अब, जबकि अधिकांश आम लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के हाल के फैसले को बिना किसी विवाद के स्वीकार कर लिया है, तब कुछ समूहों, विशेष रूप से जमातियों की ओर से चिंताएं उत्पन्न हो रही हैं, जो झूठी कहानी और अफवाह फैलाने में लगे हुए हैं। इन समूहों का दावा है कि फैसला मुसलमानों के पक्ष में नहीं था और संभावित दंगों की आशंका जताई जा रही है। यह आख्यान एक रणनीतिक राजनीतिक कदम प्रतीत होता है, जो अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए पीड़ित कार्ड खेल रहा है। यहां यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि वर्तमान सरकार ने देश भर में शांति बनाए रखने और हर धर्म के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने को लगातार प्राथमिकता दी है। सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने में सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड विविध समुदायों के बीच समझ को बढ़ावा देने की उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। जनता के लिए धार्मिक संबद्धताओं के बावजूद शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए समर्पित सरकार के निराधार दावों और वास्तविक प्रयासों के बीच अंतर करना महत्वपूर्ण है। खुली बातचीत और समझ को प्रोत्साहित करने से निराधार भय को दूर करने और एकजुट और समावेशी समाज को बढ़ावा देने में सहायता मिल सकती है। 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम मंदिर अभिषेक समारोह से पहले शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक रणनीतिक कदम में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कथित तौर पर अपने कैबिनेट सहयोगियों को संयम बरतने और आक्रामकता से बचने का निर्देश दिया है। ये सख्त निर्देश सोमवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के दौरान जारी किए गए। प्रधानमंत्री ने तनाव भड़कानेवाले अनुचित बयान देने से बचने के महत्व पर जोर दिया। यह निर्देश शांति और सद्भाव बनाए रखने की एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जो ऐतिहासिक घटना के आसपास शांतिपूर्ण माहौल के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। साथ ही, मंत्रियों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में शांति बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और समारोह के बाद अपने संबंधित क्षेत्रों से स्थानीय लोगों की अयोध्या यात्रा को सुविधाजनक बनाने का निर्देश दिया गया। यह दृष्टिकोण न केवल तात्कालिक स्थिति को प्रबंधित करने के लिए बल्कि इस महत्वपूर्ण घटना के बाद एक निरंतर और बहुत आवश्यक शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व में योगदान करने के लिए एक ठोस प्रयास को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन किए जानेवाले राम मंदिर अभिषेक समारोह में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा 7,000 आमंत्रित लोगों में से प्रमुख और प्रसिद्ध हस्तियों का आतिथ्य सत्कार किया जाएगा। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे नेताओं के इस कार्यक्रम को संबोधित करने की उम्मीद है, जिसका भारत और विदेशों में सीधा प्रसारण किया जाएगा। यह सभा एक महत्वपूर्ण और समावेशी अवसर को दर्शाती है, जो राम मंदिर के ऐतिहासिक उद्घाटन का गवाह बनने के लिए विभिन्न क्षेत्रों का ध्यान आकर्षित करती है।

सियासतः इंडिया गठबंधन की बढ़ती मुश्किलें

प्राण प्रतिष्ठा पर फिर धारा के विपरीत

चुनाव आयोग लोकसभा चुनाव की घोषणा भले अभी दो महीने बाद करेगा, पर देश की पूरी राजनीति इसके इर्द-गिर्द घूम रही है। इस समय राष्ट्रीय स्तर पर दो प्रमुख समूह भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन या राजग तथा 'इंडिया' गठबंधन हैं। इन दो प्रमुख समूहों की स्थिति के आकलन से लोकसभा चुनाव की अस्पष्ट ही सही, लेकिन तस्वीर जरूर बन जाती है। भाजपा ने कहा है कि वह 2024 में 50 फीसदी वोट का लक्ष्य लेकर बढ़ रही है। जबकि, 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों ने श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का निमंत्रण ठुकराकर समय की धारा को फिर न पहचानने का प्रमाण दिया है। खुद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा निमंत्रण ठुकराने पर दुख भी प्रकट कर दिया है। वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता तथा उनके नेतृत्व में भाजपा के सत्ता में आने का मूल कारण ही हिंदुत्व प्रेरित राष्ट्रीय चेतना तथा भारत को अपनी पहचान के साथ विश्व के उच्चतम शिखर पर देखने का जनता के अंदर पैदा हुआ प्रबल भाव ही था। 2004 में सत्ता में आने पर यूपीए अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी के प्रभाव में चलने वाली मनमोहन सिंह सरकार ने स्वयं को सेक्यूलर साबित करने के लिए सच्चर आयोग से लेकर अल्पसंख्यक मंत्रालय का गठन तथा रामसेतु और राम को कल्पना का विषय न्यायालय में बताकर अपनी स्थिति धीरे-धीरे कमजोर करनी शुरू कर दी थी। सत्ता से बाहर होने के बावजूद कांग्रेस, जिसका वास्तविक नेतृत्व सोनिया गांधी और राहुल गांधी के हाथों में दिखता है, प्रकारांतर से इस नीति को आगे बढ़ा रही है। एक ओर देश का राममय वातावरण और दूसरी ओर राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तुलना करें, तो दिख जाएगा कि विचार के स्तर पर बिल्कुल दो धाराएं देश में बन चुकी हैं। 'इंडिया' गठबंधन अब तक एक इकाई नहीं बन सका है, जिसका प्रमाण बीती 12 जनवरी को आयोजित इसकी बैठक में भी मिला, जिसमें गठबंधन के कई प्रमुख नेता शामिल नहीं हुए। दूसरी ओर नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के अंदर कोई विभाजन नहीं है। चुनाव में नेतृत्व का चेहरा अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। नरेंद्र मोदी के समानांतर विपक्ष में कोई नेता नहीं, जिसे जनता उनके समक्ष या बड़ा मान सके। 'इंडिया' गठबंधन में नेतृत्व को लेकर व्यापक मतभेद हैं, क्योंकि अनेक नेताओं की महत्वाकांक्षा प्रधानमंत्री बनने की है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी तीसरी पारी में भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तथा 2047 तक वैश्विक महाशक्ति बनाने का लक्ष्य निर्धारित कर दिया है। वहीं, विपक्ष मोदी, संघ और भाजपा विरोध की नीतियों तक सीमित है। विपक्षी नेताओं ने जिस तरह सनातन और हिंदुत्व से लेकर उत्तर के राज्यों को गोमूत्र की संज्ञा देने तथा उत्तर और दक्षिण के बीच विभाजन पैदा करने संबंधी बयान दिए हैं, उनसे देश के बहुमत में जो नाराजगी पैदा हुई है, उसे संतुलित करने के लिए जितने बड़े मुद्दे और जैसे चेहरे चाहिए, विपक्ष में उनका नितांत अभाव है। विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस है। कर्नाटक और तेलंगाना विधानसभा चुनाव में विजय से यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 2019 से बेहतर प्रदर्शन करेगी। 2019 में भाजपा द्वारा जीती गई 303 लोकसभा सीटों में तेलंगाना से चार मिली थी, हालांकि तेलंगाना के इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा को पिछली बार की तुलना में ज्यादा सीटें मिली हैं। कर्नाटक में पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को 51.38 फीसदी वोट तथा 25 सीटें मिली थीं, जबकि कांग्रेस के पास मात्र एक सीट थी। भाजपा के लिए अच्छी बात यह है कि 2023 विधानसभा चुनाव में यहां उसकी सीटें घटी, वोट नहीं। हां, कांग्रेस के मतों में पांच फीसदी की बढ़ोतरी अवश्य हुई। दोनों राज्यों में मुसलमानों का मत कांग्रेस के पक्ष में ध्रुवीकृत हुआ है। मुस्लिम मत खिसकने के कारण ही कर्नाटक में जद-एस भाजपा के साथ आया है। भाजपा तमिलनाडु पर खास ध्यान दे रही है और चर्चा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी के अलावा रामनाथपुरम से भी चुनाव लड़ सकते हैं। यदि ऐसा होता है और तमिलनाडु में स्थिति बदलती है, तो इसका असर पूरे दक्षिण भारत में होगा और यदि ऐसा नहीं हुआ, तब भी भाजपा जितना ध्यान दक्षिण पर दे रही है, वह बिल्कुल अप्रभावी तो साबित नहीं हो सकता।

सोशल मीडिया में जजों की ट्रोलिंग और कुछ नैतिक सवाल

बात अब मीडिया ट्रायल और अदालती फैसलों की आलोचना से कहीं आगे फैसले देने वाले जजों की ट्रोलिंग तक आन पहुंची है। यही कारण है कि हाल में भोपाल में आयोजित दसवें मप्र न्यायाधीश सम्मेलन में जिला न्यायालयों के जजों ने यह मुद्दा जोर शोर से उठाया और वरिष्ठ जजों से मार्गदर्शन मांगा कि न्यायाधीशों की ट्रोलिंग पर उन्हें क्या करना चाहिए? सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों की ट्रोलिंग भी अदालती अवमानना हो सकती है या नहीं? सोशल मीडिया में किसी खास वैचारिक एजेंडे अथवा पूर्वाग्रह दुराग्रह के चलते गढ़े जाने वाले नरेटिव, न्यूसेंस और जजों की व्यक्तिगत आलोचना को किस रूप में लिया जाना चाहिए? क्योंकि भारत में सोशल मीडिया की नकेल कसने के लिए बहुत कड़े कानून नहीं है। ऐसे कानून बन भी जाएं तो फिर व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का क्या होगा? वैसे भी कई लोगों का मानना है कि सोशल मीडिया दरअसल जनता की आवाज है। लाख आलोचना के बावजूद इसे दबाया नहीं जा सकता। सम्मेलन में शामिल देश के सुप्रीम कोर्ट के ज्यादातर न्यायाधीशों की राय यही थी कि जजों की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग के मामलो को फिलहाल इग्नोर (अनदेखा) करना ही बेहतर है। भाव यही कि ऐसे तत्वों के मुंह लगने से कोई फायदा नहीं है। हालांकि यह उत्तर भी कई सवालों से भरा है। यूं न्यायपालिका के सामने नई चुनौती आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआई) की भी है, लेकिन उसका मामला थोड़ा अलग है। न्यायाधीशों पर सोशल मीडिया के हमलों का मामला ज्यादा संवेदनशील इसलिए है क्योंकि अदालती फैसले समाज में न्याय की रक्षा का काम करते हैं। इसी से समाज को संचालित करने का दिशानिर्देश और सुसूत्रता भी मिलती है। अदालती फैसले हमेशा निष्पक्ष और न्यायसंगत प्रतीत हों, ऐसा जरूरी नहीं है, लेकिन उन फैसलों की आलोचना तार्किक और कानूनी आधार पर ही की जा सकती है। लेकिन जब ऐसे फैसलों के पीछे न्यायाधीश के विवेक, न्यायिकता अथवा पूर्वाग्रह को लेकर सवाल उठाए जाने लगें, उनकी भद्दे ढंग से ट्रोलिंग की जाए तो तब न्यायाधीशों का विचलित होना स्वाभाविक है। सम्मेलन में शामिल कई जजों ने कहा कि वर्तमान में लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे कि वाट्सएप ग्रुप और फेसबुक पर हमारे विरुद्ध अमर्यादित बातें होती हैं। जिन्हें फैसला पसंद नहीं आता, वे भ्रम फैलाते हैं। भद्दे कमेंट करते हैं। क्या ऐसा करने वालों पर हम (न्यायाधीश) कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट (अदालत की अवमानना) की कार्रवाई कर सकते हैं? इन सवालो के जवाब में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस अभय एस ओक ने कहा कि न्यायाधीश सोशल मीडिया की ट्रोलिंग से न तो डरें और न हीं किसी एजेंडे के तहत गढ़े जाने वाले नैरेटिव से प्रभावित हों। इसे सिर्फ इग्नोर करें, क्योंकि सोशल मीडिया की कोई अकाउंटेबिलिटी (जवाबदेही) नहीं है। जस्टिस ओक ने बताया कि मुंबई में तो जजों को प्रभावित और परेशान करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल इतना बढ़ गया है कि कई जजों के खिलाफ ही पिटीशन दायर हो जाती है। इस सम्मेलन में यह बात साफ झलकी कि आज न्यायाधीश समुदाय अगर किसी बात से सर्वाधिक चिंतित है तो वो है, सोशल मीडिया। ऐसा मीडिया जिसके हजारों मुंह, आंखें और कान हैं लेकिन कहीं कोई रिमोट कंट्रोल नहीं है। और शायद मस्तिष्क भी नहीं है। इस मीडिया ने अब मानव जीवन में इतनी भीतर तक घुसपैठ कर ली है कि किसी का इससे बचना लगभग असंभव है। यदि कोई बचा हुआ भी है तो उस पर आदिम सभ्यता का होने का टैग लग सकता है। यूं सोशल मीडिया पर जजों को लेकर अमर्यादित प्रतिक्रियाओं को लेकर पहले भी चिंता जाहिर की जाती रही है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस शरद अरविंद बोबडे ने अपना पद ग्रहण करते हुए कहा था कि फिलहाल सुप्रीम कोर्ट सोशल मीडिया में अनियंत्रित आलोचना पर काबू करने के लिए कुछ भी नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा, हम इस तरह की मीडिया के लिए अभी कुछ भी नहीं कर सकते हैं। हम नहीं जानते हैं कि हमें क्या कदम उठाना है। वे न केवल लांछन लगा रहे हैं बल्कि लोगों और न्यायाधीशों की प्रतिष्ठा को प्रभावित कर रहे हैं। ऊपर से यह शिकायत भी है कि बोलने की स्वतंत्रता नहीं है। उन्होंने कहा कि दरसअल फैसले की नहीं न्यायाधीश की आलोचना करना मानहानि है। पिछले साल व्हाट्सएप से जुड़े एक मामले में दलीलें सुनते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश दीपक गुप्ता ने टिप्पणी की थी कि कैसे निर्दोष लोगों को ऑनलाइन ट्रोल किया जा रहा था और कैसे गुमनाम संस्थाओं ने सोशल मीडिया का इस्तेमाल प्रतिष्ठा को कीचड़ में धकेलने के लिए किया था। कुछ महीने पहले, न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी और न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की एक अलग पीठ ने बताया था कि कैसे न्यायाधीशों को भी सोशल मीडिया का खामियाजा भुगतना पड़ता है। इसी तरह एक मामले में फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं पर एक ऑनलाइन व्याख्यान के दौरान, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल ने न्यायपालिका के खिलाफ सोशल मीडिया द्वारा फैलाई जा रही असहिष्णुता और खासकर न्यायपालिका के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों की प्रवृत्ति के खिलाफ अपनी बात कही थी।

इंटरनेट अर्थव्यवस्थाः उत्साहित करने के साथ डराती भी है तीन दशक की यह यात्रा

तीस साल पहले की बात है। जनवरी का ग्यारहवां दिन था। जब सरकार, शिक्षा और संचार क्षेत्र की दो दर्जन से ज्यादा हस्तियां कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में आयोजित एक भविष्य-उन्मुखी सम्मेलन में शामिल हुई थीं, जिसका नाम था- 'सुपर हाईवे समिट'। इससे जुड़ा एक दिलचस्प वाकया है। सम्मेलन का आयोजन दरअसल टेलीविजन, आर्ट्स व साइंसेज अकादमी के रिचर्ड फ्रैंक कर रहे थे, जिन पर चुटकी लेते हुए तत्कालीन अमेरिकी उपराष्ट्रपति अल गोर ने कहा, 'जो टेलीविजन पर नहीं आया, समझो हुआ ही नहीं।' ठीक ऐसा ही कुछ आप आज 2024 के लिए भी कह सकते हैं कि, जो इंटरनेट व सोशल मीडिया पर नहीं है, उसका अस्तित्व ही नहीं है। दुनिया में इंटरनेट के विकास का अलबत्ता एक लंबा इतिहास रहा है। एक तरह से देखें, तो सुपर हाईवे समिट के साथ ही इंटरनेट के सुपरहाईवे और इंटरनेट आधारित इकनॉमी की शुरुआत देखी जा सकती है। 1994 में एनसीएसए मोजैक और नेटस्केप के वेब ब्राउजर शुरू होने के बाद माइक्रोसॉफ्ट विंडोज एक्सप्लोरर यूजर्स के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू यानी वर्ल्ड वाइड वेब लाया। इस तरह एक छोटी-सी शुरुआत थोड़ा झिझकते हुए वैश्विक इंटरनेट इकनॉमी की तरफ बढ़ी। 2024 में विश्व की औसत आयु करीब साढ़े 30 वर्ष अनुमानित है। इससे जाहिर होता है कि दुनिया की आठ अरब से ज्यादा आबादी का करीब आधा हिस्सा इंटरनेट के युग में ही पैदा हुआ है। पूरी दुनिया में इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या 5.3 अरब से ज्यादा है और यह लगातार बढ़ भी रही है। गूगल जो एक संज्ञा है, जवाब खोजने की क्रिया बन गई है। वेब (जाल) केवल वही नहीं रह गया, जो मकड़ियां बुनती हों। फिल्में व संगीत स्ट्रीम होने लगे हैं। सामाजिकता

निभाने के लिए सोफे से उठने तक की जरूरत नहीं पड़ रही है। अभिव्यक्तियां संक्षिप्त होती जा रही हैं। अमेरिकी विज्ञान गल्प कथाकार इसाक असिमोव की सभी भविष्यवाणियां अब मोबाइल की स्क्रीन पर साफ दिख रही हैं। हालांकि बदलाव का चक्र काफी छोटा रहा है। सबसे ज्यादा उपयोग में लाए गए एप्लीकेशन और सबसे बड़ी इंटरनेट आधारित कंपनियां हालिया इतिहास का अंग हैं। 1994 तक अमेजॉन की पहचान दक्षिण अमेरिका की केवल एक शांत नदी होने तक सीमित थी। उबर कोई सवारी नहीं, बल्कि एक विशेषण था। मेटा (पूर्व नाम फेसबुक), एक्स (पूर्व नाम ट्विटर), सर्वव्यापी व्हाट्सऐप, स्पॉटिफाई, शॉपिफाई, बुकिंग डॉट कॉम, एयरबीएनबी, नेटफ्लिक्स इत्यादि कॉरपोरेट की दुनिया की जेनरेशन जेड में शुमार होते हैं। तकनीकी पहुंच को भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखें, तो अलग ही कहानी दिखेगी। अलेक्जेंडर ग्राहम बेल को 1876 में टेलीफोन के लिए पेटेंट मिला। लेकिन, दो-तिहाई भारतीयों को 1990 के दशक तक फोन नहीं मिल सका था। इंटरनेट भी भारतीयों के नसीब में तब आया, जब 1995 में वीएसएनएल द्वारा मुहैया कराया गया। पर आज करीब 1.2 अरब भारतीय मोबाइल फोन और 80 करोड़ भारतीय इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। 53 करोड़ से ज्यादा लोग व्हाट्सऐप पर हैं और यू-ट्यूब के कुल 2.7 अरब यूजर्स का पांचवां हिस्सा भारत में है। इंटरनेट का सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव ऑनलाइन भुगतानों में इसके बढ़ते उपयोग के रूप में दिखता है। भारत का डिजिटल सार्वजनिक मॉडल, आधार द्वारा प्रदत्त पहचान की बदौलत अब विकासशील दुनिया के लिए आदर्श बन चुका है। भारतीय राष्ट्रीय पेमेंट कॉरपोरेशन द्वारा दर्ज किए गए आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर, 2023 में करीब 50 करोड़ आईएमपीएस भुगतान हुए। वहीं सर्वव्यापी यूपीआई प्लेटफॉर्म पर साढ़े 11 अरब भुगतान हुए। हालांकि वैश्विक आर्थिक विकास में इंटरनेट के योगदान पर निरंतर बहस चल रही है। मैकिंसे के अध्ययन के अनुसार, 2011 में इंटरनेट उपयोगकर्ता दो अरब थे, जबकि इंटरनेट आधारित इकनॉमी ने करीब 80 खरब डॉलर का योगदान दिया। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, डिजिटल इकनॉमी वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (वैश्विक जीडीपी) में 15 फीसदी से ज्यादा योगदान देती है और यह दुनिया की वास्तविक जीडीपी से ढाई गुना ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। ऑनलाइन भुगतानों से ग्राहक व कंपनियां, दोनों को फायदा पहुंचा है। बैंकों को बगैर ज्यादा शाखाएं खोले, बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने का मौका मिला है। म्यूचुअल फंड ने ऑनलाइन पहुंच बनाकर बचतकर्ताओं को फंड व निवेश के नए अवसर देकर अपनी पहुंच बढ़ाई है। लेकिन इसमें जोखिम भी हैं। जैसा अमेरिका में देखा गया, जहां जमाकर्ताओं ने कुछ ही घंटों में अपने खाते खाली कर दिए। हालांकि अब कंपनियां और नियामक भी इन जोखिमों से वाकिफ हैं। यूक्रेन और पश्चिम एशिया के युद्धों में इंटरनेट आधारित आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताएं बढ़ती दिखी हैं। आज चाहे लाल सागर संघर्ष हो, इस्राइल-फलस्तीन युद्ध हो या फिर रूस-यूक्रेन युद्ध, इंटरनेट आधारित तकनीकों ने एक नए उद्योग का आकार लिया है। हैरत नहीं कि मानव रहित हवाई वाहन और साइबर सुरक्षा सैन्य-उद्योग तंत्र के सबसे उभरते हुए पहलू रहे। ब्रिटिश उद्यमी मुस्तफा सुलेमान, जिसे 'आने वाली लहर' कहते हैं, दुनिया ठीक इसी कगार पर पहुंच चुकी है। निजी इक्विटी फंड, कंपनियां और सरकारें दो सौ अरब डॉलर से ज्यादा के निवेश के साथ अगली बड़ी छलांग के लिए तैयार हैं, जो जेनरेटिव एआई और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित हैं। एआई से पूरी दुनिया को काफी उम्मीदे हैं। खासकर पहुंच, कौशल व अवसरों के क्षेत्र में विषमताओं को खत्म करने में। हालांकि यह आर्थिक, राजनीतिक और अस्तित्व संबंधी चिंताएं भी पैदा करता है। मानवीय प्रयासों की भूमिका सीमित होने के विचार के विभिन्न देशों में गंभीर निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। राजनीतिक स्तर पर इससे ध्रुवीकरण के बढ़ने और सोशल मीडिया पर गुस्से व दुख के विस्तार की आशंका है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के खतरे महज कल्पना नहीं, बल्कि वास्तविक भी हैं, जो नियामकों को इस पर नियंत्रण रखने की जरूरत को इंगित भी करते हैं। इस समस्या के समाधान की कोई गारंटी तो नहीं, पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा निकाय द्वारा परमाणु प्रतिष्ठानों के लिए सुझाया गया मार्ग एक अच्छा उपाय जरूर हो सकता है। यह ठीक वैसा ही उपाय है, जैसा सुनामी आने पर प्रतिबंध और चेतावनी की व्यवस्था होती है। हालांकि जरूरी नहीं कि यह उपाय काफी साबित हो। अलबत्ता इसके लिए वैश्विक समन्वय की जरूरत होगी। और, अगर दुनिया के अग्रणी नेताओं के पास इसका कोई हल नहीं है, तो वे एआई से परामर्श कर सकते हैं।

संजय लीला भंसाली की फिल्म 'बैजू बावरा' पड़ी ठंडे बस्ते में, बजट नहीं या कुछ और है वजह

नई दिल्ली । बीते कुछ सालों से संजय लीला भंसाली की फिल्म 'बैजू बावरा' को लेकर काफी बज बना हुआ है. ये इकलौती फिल्म है, जिसने काफी उतार-चढ़ाव भी देखे हैं. संजय ने इस फिल्म की घोषणा पेंडेमिक से पहले की थी. यानी की साल 2020 में. यह फिल्म एक म्यूजिकल रिवेंज ड्रामा फिल्म होने वाली है. जब फिल्म को लेकर बात होनी शुरू ही हुई थी, तभी संजय ने इसकी स्टार कास्ट को लेकर भी खुलासा कर दिया था.

डायरेक्टर का कहना था कि आलिया भट्ट और रणवीर सिंह को वो लीड रोल्स के लिए फाइनल कर चुके हैं. इसी के साथ दीपिका पादुकोण के नाम की चर्चा फिल्म में निगेटिव किरदार निभाने को लेकर हो रही थी. तीन साल बीत गए, पर फिल्म की शूटिंग का नामो-निशान नजर नहीं आ रहा है.

बंद बस्ते में गई 'बैजू बावरा'

लॉकडाउन लगा और दुनिया रुक सी गई. जैसे ही चीजों को फिर से शुरुआत हुई, संजय ने फिल्म की स्टार कास्ट को लेकर फिर से बात करनी शुरू कर दी. डायरेक्टर ने दीपिका पादुकोण की जगह निगेटिव रोल निभाने के लिए कियारा आडवाणी और नयनतारा को लेकर बात की. जैसी ही बारी आई फिल्म की कास्ट को लॉक करने की संजय के सामने एक और परेशानी आ खड़ी हुई. वो ये कि संजय को इस फिल्म के लिए किसी भी स्टूडियो से अप्रूवल नहीं मिल पा रहा था.संजय लीला भंसाली चाहते हैं कि वो भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी म्यूजिकल ड्रामा फिल्म बनाएं. इसके लिए उन्हें कम से कम 350 करोड़ के बजट की जरूरत है. जिस भी स्टूडियो के पास संजय फिल्म लेकर गए, हर किसी ने हाथ खड़े कर लिए. सभी का यह कहना था कि फिल्म का बजट काफी ज्यादा है. संजय लीला भंसाली ने स्टूडियोज से कहा कि रणवीर सिंह और आलिया भट्ट का जो मार्केट वैल्यू है, उससे वो काफी कम फीस में इस फिल्म में काम कर रहे हैं. क्योंकि वो उनकी इज्जत करते हैं. प्यार करते हैं. पर स्टूडियोज का कहना था कि पेंडेमिक के चलते हुए 350 करोड़ रुपये एक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म पर लगाना उनके लिए मुश्किल हो रहा है. ऐसे में संजय ने इस फिल्म को होल्ड पर डाल दिया और अभी फिल्म शायद बंद बस्ते में जाती नजर आ सकती है. हालांकि, संजय की ओर से इसपर अबतक कोई बयान जारी नहीं हुआ है.

सनी लियोनी ने किया अंकिता लोखंडे का सपोर्ट

मुंबई 'बिग बॉस-17' का फिनाले अब कुछ ही दिन दूर है। घर के प्रतियोगी टॉप 3 में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई सेलिब्रिटीज बिग बॉस के प्रतियोगियों का समर्थन कर रहे हैं। एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे को कई लोगों ने सपोर्ट किया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी ने एक खास पोस्ट शेयर कर अंकिता लोखंडे का सपोर्ट किया है अंकिता को उनके फैंस वोट कर रहे है। साथ ही कई सेलिब्रिटीज सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अंकिता का सपोर्ट कर रहे हैं। कई बिग बॉस के हर एपिसोड में अंकिता लोखंडे और उनके पति विक्की जैन लड़ते नजर आते हैं। इन दोनों को रोज-रोज झगड़ते देख दर्शक भी परेशान हो गए हैं। आए दिन उनके बीच किसी न किसी बात पर झगड़ा होता रहता था। कुछ दिन पहले अंकिता की मां और विक्की की मां बिग बॉस के घर में गई थीं। इस बार दोनों ने अंकिता और विक्की को समझाने की कोशिश की, लेकिन उन दोनों के घर से निकलने के बाद भी अंकिता और विक्की का झगड़ा होता रहा।

सेलिब्रिटीज ने भी कहा है कि अंकिता को शो जीतना चाहिए। अब सनी लियोनी ने अंकिता का सपोर्ट किया है। उन्होंने ट्वीट में लिखा, अंकिता आपको बिग बॉस-17 के फिनाले के लिए शुभकामनाएं। मैं आपके साथ खड़ी हूं। सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह ने भी अंकिता का समर्थन किया है। श्वेता ने सोशल मीडिया पर अपनी मां के साथ अंकिता की तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, अंकिता हम तुमसे बहुत प्यार करते हैं। तुम बहुत ईमानदारी से खेल रही हो और अद्भुत हो।

हमारे राम हैं मोदी जी-योगी अयोध्या पहुंचकर `टीवी के हनुमान' के बेटे ने कही बड़ी बात

अयोध्या- अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी जोर शोर से चल रही हैं. एक हफ्ते तक चलने वाले इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने कई सेलेब्रिटीज पहले ही वहां पहुंच चुके हैं. राम मंदिर उद्घाटन समारोह में रामायण पाठ और रामलीला भी की जाएगी. इसके लिए एक्टर राकेश बेदी और विंदू दारा सिंह भी अयोध्या पहुंचे हैं. विंदु दिवंगत एक्टर दारा सिंह के बेटे हैं, जिन्होंने रामानंद सागर की रामायण में हनुमान का किरदार निभाया था. उन्हें आज भी याद किया जाता है. अयोध्या नगरी पूरी तरह से सजी हुई है. शहर में दीपावली जैसा माहौल है. वहां पहुंचे राकेश बेदी और विंदू दारा सिंह ने मीडिया से बात की और अपने एक्सपीरियंस शेयर किए. एक्टर्स वहां की चकाचौंध और रौनक देख बहुत खुश हुए. शहर का विकास बड़ी तेजी हुआ है, इसके बार में बात करते हुए दोनों काफी हैरान नजर आए. राकेश और विंदु ने बताया कि उन्हें रामलीला में परफॉर्म करने के लिए बुलाया गया है. जो कि 16 से 22 तक चलेगा. विंदु भगवान शिव का किरदार निभाते दिखेंगे. विंदू ने कहा कि, मुझे 16 जनवरी से 22 जनवरी तक अयोध्या में 'रामलीला' करने के लिए इनवाइट किया गया है. मैं भगवान शिव की भूमिका निभा रहा हूं. अयोध्या दुनिया का शीर्ष तीर्थ स्थल बन जाएगा. ऐसा कहा जाता है कि कलयुग के भीतर भी सत्ययुग आ रहा है, ऐसा हो रहा है. ये हमारे राम जी हैं. मोदी जी और योगी जी इतना काम कर रहे हैं और देश की सेवा कर रहे हैं. बहुत अच्छा लग रहा है यहां आकर, मोदी जी-योगी जी ने तो किया ही है, लेकिन बाकी भी जिन लोगों का हाथ है, उन्होंने क्या बढ़िया काम किया है. अयोध्या टॉप का धार्मिक स्थल बनने वाला है. वहीं राकेश बेदी ने कहा- मेरे हिसाब से यहां एयरपोर्ट जो बना है. वो काबिल-ए-तारीफ है. क्योंकि जहां एयरपोर्ट होता है, विकास अपने आप बहुत तेजी से शुरू हो जाता है. एयरपोर्ट बनने के बाद बहुत सारे बदलाव होंगे. नंबर वन धार्मिक स्थल बनेगा कोई डाउट नहीं है. अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह ग्रैंड स्केल पर होने वाला है. बॉलीवुड से लेकर टीवी की दुनिया के कई स्टार्स और सेलेब्स को इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए इनवाइट किया गया है. इनमें अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर, विराट कोहली, अनुष्का शर्मा, कंगना रनौत, टाइगर श्रॉफ, जैकी श्रॉफ, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर समेत कई सेलेब्रिटी शामिल हैं. वहीं रामायण फेम राम-सीता-लक्ष्मण यानी अरुण गोविल, दीपिका चिखलिया और सुनील लहरी को भी राम मंदिर के उद्घाटन समारोह का न्योता भेजा गया है.

राम-सीता और लक्ष्मण पहुंचे अयोध्या, एल्बम 'हमारे राम आएंगे' की शूटिंग में हिस्सा लेंगे

अयोध्या । रामानंद सागर की 'रामायण' में राम, लक्ष्मण और सीता की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल, सुनील लहरी और दीपिका चिखलिया रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह ने शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंच चुके हैं। इन तीनों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया गया है। वह एल्बम 'हमारे राम आएंगे' की शूटिंग में हिस्सा लेंगे। अरुण गोविल ने प्रशंसकों को अयोध्या में अपनी यात्रा की एक झलक दी। अयोध्या पहुंचते ही उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया। मीडिया से बात करते हुए अरुण गोविल ने कहा, अयोध्या का राम मंदिर हमारा राष्ट्रीय मंदिर साबित होगा। पिछले कुछ सालों में पूरी दुनिया में जो संस्कृति लुप्त हो रही थी, वह एक बार फिर मजबूत होगी। फैन फेवरेट सीता यानी दीपिका चिखलिया ने भी अभिषेक समारोह में शामिल होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, हमारी छवि लोगों के दिलों में बनी हुई है। राम मंदिर बनने के बाद भी इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले सुनील लहरी ने कहा, मैं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होने के लिए सक्षम होने पर खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस करता हूं। देश में माहौल बेहद धार्मिक बना हुआ है। राम को नकारने वाले नहीं जानते कि राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं और रामायण हमें मर्यादा में रहना सिखाती है। इतने सालों बाद भी रामायण सीरीज के कलाकारों का जादू आज भी बरकरार है। लोगों ने इन कलाकारों को सचमुच भगवान श्रीराम और सीता माता का स्थान दिया।

सुशांत सिंह राजपूत की आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' का बनने जा रहा सीक्वल

डेस्क। दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन वो ऐसे सितारे थे, जिन्होंने टेलीविजन से निकलकर बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। उन्होंने अपने अभिनय के दम पर बड़े-बड़े सितारों को फिल्म इंडस्ट्री में कड़ी टक्कर दी, लेकिन साल 2020 में 14 जून को सुशांत सिंह राजपूत के निधन की खबर ने हर किसी को हैरान कर दिया था। अभिनेता के निधन के बाद उनकी आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' रिलीज हुई थी। अब इस फिल्म को लेकर एक अपडेट सामने आया है। 'दिल बेचारा' के निर्माता मुकेश छाबड़ा ने इस फिल्म का सीक्वल बनाने का एलान किया है। निर्माता मुकेश छाबड़ा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा किया है। साथ ही वर्ष 2020 में रिलीज हुई फिल्म 'दिल बेचारा' का सीक्वल बनाने का एलान किया है। यह फिल्म दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह की आखिरी फिल्म थी, जो उनके निधन के बाद सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म से मुकेश छाबड़ा ने बतौर कास्टिंग निर्देशक अपने निर्देशन की शुरुआत की थी। यह फिल्म जॉन ग्रीन के उपन्यास 'द फॉल्ट इन आवर स्टार्स' पर आधारित थी। फिल्म की रिलीज के वर्षों बाद, निर्देशक मुकेश छाबड़ा ने एक्स पर एक पोस्ट साझा किया और लिखा, 'दिल बेचारा 2।' सुशांत की आखिरी फिल्म के सीक्वल की खबर सामने आने के बाद अभिनेता के फैंस भावुक हो गए हैं और सोशल मीडिया पर अपने प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'सुशांत सिंह राजपूत के बिना? रुलाओगे क्या।' वहीं, दूसरे ने कहा, 'सुशांत को नहीं भूल पाएंगे।' तीसरे यूजर ने लिखा, 'मिस यू सुशांत।' वहीं, कुछ लोग नम आंखों वाले इमोजी शेयर कर रहे हैं। फैंस के अलावा म्यूजिक कंपोजर और सिंगर अमाल मलिक ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी हैं फिल्म 'दिल बेचारा' की बात करें, तो इसमें सुशांत और संजना के अलावा सैफ अली खान, सास्वता चटर्जी, स्वास्तिका मुखर्जी, सुनीत टंडन, माइकल मुथु, राजी विजय सारथी और सुब्बालक्ष्मी नजर आए थे। बता दें कि, मुकेश छाबड़ा के जरिए निर्देशित और फॉक्स स्टार स्टूडियो द्वारा निर्मित थी। इस फिल्म की कहानी शशांक खेतान और सुप्रतिम सेन गुप्ता ने लिखी थी। 'दिल बेचारा' में सुशांत सिंह राजपूत और संजना सांघी ने दो टर्मिनल कैंसर रोगियों की भूमिका निभाई, जो एक ही त्रासदी से निपटने के दौरान सबसे अच्छे दोस्त बन गए।

गोलमाल 5 पर रोहित शेट्टी की पक्की मुहर, जानें हंसी-ठहाकों से कब गुलजार होंगे सिनेमाघर?

रोहित शेट्टी ने बॉलीवुड को कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। प्रसिद्ध निर्देशक जल्द ही सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय अभिनीत वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स के साथ ओटीटी की दुनिया में कदम रखने वाले हैं। वहीं, उनके पास प्रोजेक्ट्स की एक रोमांचक लाइनअप है, जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालिया इंटरव्यू में, रोहित शेट्टी ने कॉप यूनिवर्स और प्रिय गोलमाल फ्रेंचाइजी की निरंतरता पर प्रकाश डालते हुए, अपनी भविष्य की परियोजनाओं के बारे में जानकारी साझा की। रोहित शेट्टी ने पुष्टि की कि गोलमाल 5 आने वाली है। फ्रेंचाइजी को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें इसे जल्दी बनाना होगा, इसलिए अगले दो साल में पांचवीं किस्त की उम्मीद की जा सकती है।

एनिमल में इंटीमेट सीन के लिए रणबीर ने आलिया से ली थी इजाजत? अभिनेता ने किया बड़ा खुलासा

संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी ए सर्टिफिकेट हासिल करने वाली फिल्म एनिमलमें रणबीर कपूर ने शानदार प्रदर्शन किया है। तमाम विवाद के बाद फिल्म घरेलू सहित वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर भी सफलता का परचम लहराने में सफल रही है। फिल्म की कहानी और एक्शन के साथ-साथ इसके इंटीमेट सीन भी खूब सुर्खियों में रहे हैं। रणबीर कपूर और तृप्ति डिमरी की केमिस्ट्री ने लोगों का खासा ध्यान आकर्षित किया। साथ ही तृप्ति रातों-रात नेशनल क्रश बन गईं। हालांकि, ये सीन करने से पहले अभिनेता ने रियल लाइफ पत्नी आलिया भट्ट से अनुमति ली थी या नहीं, इसका सच भी सामने आ गया है। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की ब्लॉकबस्टर हिट एनिमलकी सफलता से उत्साहित बॉलीवुड हार्टथ्रोब रणबीर कपूर ने हाल ही में कुछ अत्यधिक चर्चित इंटीमेट सीन्स की शूटिंग के दौरान उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी साझा की। यह सीन अभिनेता और तृप्ति डिमरी के बीच फिल्माया गया था। अपने हालिया इंटरव्यू में रणबीर ने खुलासा किया कि वह वास्तव में इस सीन की शूटिंग को लेकर डरे हुए थे। रणबीर कपूर के अनुसार, यह केवल उनकी पत्नी आलिया भट्ट और उनके समर्थन के कारण था कि उन्होंने इसके साथ आगे बढ़ने का फैसला किया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में, रणबीर ने आलिया के साथ अपने रिश्ते की सहयोगात्मक प्रकृति और अपने-अपने कामकाजी जीवन में एक-दूसरे को दिए जाने वाले समर्थन के बारे में बताया। कई एनिमलसीन की शूटिंग के बारे में आलिया को बताने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं उनके साथ इस पर चर्चा करता था। आप जानते हैं, उन्होंने कई सीन में मेरी मदद की है। रणबीर कपूर ने खुलासा किया कि उनकी पत्नी ही थीं जिन्होंने उनके सीन को तैयार करने में उनकी मदद की थी। यह स्वीकार करते हुए कि वह किरदारों को अच्छाई की भावना के साथ चित्रित करते हैं, रणबीर ने बताया कि आलिया ने आत्म-संदेह के क्षणों के दौरान उन्हें आश्वस्त करने में मदद की और फिल्मांकन प्रक्रियाओं पर एक मूल्यवान परिप्रेक्ष्य प्रदान करने के लिए उन्हें श्रेय दिया। अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि उन्होंने वास्तव में उस बैरोमीटर को बजाया है और कहा है कि सुनो, यह ठीक है, यह एक किरदार है, जिसका यह एक हिस्सा है। मुझे लगता है कि जहां तक इस फिल्म का सवाल है, वह बहुत मजबूत समर्थन रही हैं।

सिंगल कॉलम

एलन मस्क ने एक ही दिन में कमाए 14.8 अरब डॉलर, मालदीव की जीडीपी से करीब दोगुनी है यह रकम

नई दिल्ली। अडानी इस साल अब तक मालदीव की जीडीपी से अधिक कमाई कर चुके हैं। जबकि, एलन मस्क ने तो मालदीव की जीडीपी की दोगुनी दौलत एक ही दिन में बना ली। आईएमएफ के मुताबिक मालदीव की जीडीपी 7.5 अरब डॉलर है।, बुधवार को दौलत गंवाने में गौतम अडानी नंबर वन रहे तो एलन मस्क नंबर कमाई में नबंर वन। अडानी की दौलत में 2.67 अरब डॉलर की कमी हुई। इस साल दुनिया में सबसे अधिक दौलत गंवाने वाले अरबपतियों में नंबर वन पर चल रहे एलन मस्क ने बुधवार को जोरदार वापसी की है। एक ही दिन में मस्क ने अपने नेटवर्थ में 14.8 अरब डॉलर जोड़कर काफी हद तक अपना नुकसान कम कर लिया है। अब इस साल अबतक मस्क ने 7.40 अरब डॉलर ही गंवाए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक एलन मस्क की कुल संपत्ति अब 222 अरब डॉलर हो गई है। बुधवार को उन्हें 14.8 अरब डॉलर का फायदा हुआ। 14.8 अरब डॉलर यानी 1480 करोड़ डॉलर। यह रकम भारतीय रुपये में 12,30,91,23,00,000 करोड़ होती है। बर्नार्ड इस साल दौलत गंवाने में नंबर वन- अब दौलत गंवाने वाले अरबपतियों में बर्नार्ड अर्नाल्ट पहले नंबर पर हैं। बर्नार्ड की दौलत में इस साल अब तक 21.5 अरब डॉलर की सेंध लग चुकी है। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर अमेजन के पूर्व सीईओ जेफ बेजोस की दौलत 1.51 अरब डॉलर घटकर 177 अरब डॉलर रह गई है। टॉप-10 अरबपतियों में तीसरे नंबर पर काबिज बर्नार्ड अर्नाल्ट की संपत्ति में 2.24 अरब डॉलर कम हुए और उनका नेटवर्थ अब 158 अरब डॉलर पर आ गया है। चौथे नंबर पर काबिज बिलगेट्स की संपत्ति 768 मिलियन डॉलर कम होकर 140 अरब डॉलर रह गई है। स्टीव बाल्मर ने भी 280 मिलियन डॉलर गंवाया है। उनके पास अब 135 अरब डॉलर की संपत्ति है और वह अमीरों की लिस्ट में 5वें नंबर पर हैं। मार्क जुकरबर्ग की संपत्ति बुधवार को 293 मिलियन डॉलर बढ़कर 133 अरब डॉलर हो गई है। जुकरबर्ग छठे स्थान पर हैं। किस पोजीशन पर हैं अंबानी- लैरी पेज करीब एक अरब डॉलर गंवाकर 128 अरब डॉलर के साथ सातवें और लैरी एलिसन 122 अरब डॉलर के साथ 8वें स्थान पर हैं। नौवें पर सर्गी ब्रिन (121 अरब डॉलर) हैं और 10वें पर वॉरेन बफेट (120 अरब डॉलर)। 11वें नंबर पर मुकेश अंबानी हैं, जिनकी संपत्ति बुधवार को 1.18 अरब डॉलर घटकर 101 अरब डॉलर रह गई है। हालांकि, इस साल अबतक अंबानी के नेटवर्थ में 5.15 अरब डॉलर का इजाफा हो चुका है।

गन्ने के मोलासेस पर 50 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगा, शकर के दाम घटे

इंदौर। सरकार ने अधिसूचना जारी कर शकर प्रसंस्करण के दौरान निकलने वाले मोलासिस पर 50 प्रतिशत का शुल्क लागू कर दिया है। यह 18 जनवरी 2024 से लागू होगा। पेट्रोल में एथेनाल के मिश्रण के लक्ष्य को हासिल करने और आपूर्ति सुगम करने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है।देश में सरकार ने 2024-25 तक 20 प्रतिशत एथेनाल मिश्रित ईंधन और 2029-30 तक 30 प्रतिशत एथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। मोलासेस पर निर्यात शुल्क एथेनाल की घरेलू आपूर्ति बढ़ाने वाला कदम होगा। एथेनाल-मिश्रित पेट्रोल की उपलब्धता को बढ़ा सकता है। शकर में अपेक्षित ग्राहकी नहीं होने और आवक अच्छी रहने से भाव में मंदी रही। शकर नीचे में 3850 ऊपर में 3890 रुपये प्रति क्विंटल रह गई। शकर की आवक सात गाड़ी की बताई गई। नारियल में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं रहा। नारियल की आवक दो गाड़ी की बताई गई। खोपरा गोला और खोपरा बूरे में ग्राहकी जोरदार देखी गई जिससे इनके दाम मजबूती पर टिके हुए हैं।शकर- शकर 3850-3890, एम-शकर 3910-3950 गुड करेली कटोरा 4000-4100, लड्डू 4200-4300 बरफी 4700-4800 गिलास एक किलो 4600-4900 भैली 3800-3900 रुपये क्विंटल। नारियल- नारियल 1120 भरती 1450-1500, 160 भरती 1500-1550, 200 भरती 1650-1700, 250 भरती 1800-1850 रु. प्रति बोरी। खोपरा गोला बक्सा 125-140 कट्टे 115 रु. प्रति किलो और खोपरा बूरा 2450-4200 रुपये।

फलाहारी- सच्चामोती एगमार्क साबुदाना (1 किलो)-7490, सच्चासाबु एगमार्क साबुदाना (1 किलो)- 7520, सच्चासाबु एगमार्क खीरदाना (500 ग्राम)- 7750,सच्चासाबु एगमार्क फूलदाना (नायलान) (500 ग्राम)- 8110,सच्चासाबु एगमार्क चीनीदाना (500 ग्राम)ङ्क 7680,गोपाल साबुदाना लूज (25 किलो)- 6920,अल्पहार/कुकरीजाँकी भगर मोरधन (500 ग्राम)- 9940 प्रति क्विंटल। रायल रतन साबुदाना (1 किलो) 7150, रायलरतन (500 ग्राम) 7210 व रायलरतन लूज 6700, रायल सच्चामोती पोहा एक किलो 5350 व 35 किलो पैकिंग में 4800, रायलरतन मोरधन (आधा किलो) 10500 रुपये।पूजन सामग्री - देशी कपूर 550 से 750, ब्रांडेड कपूर 750 से 800, पूजा बादाम 110 से 125, बेस्ट 175 से 190, पूजा सुपारी 475, अरीठा 130, सिंदूर (25 किलो) 7400 रुपये।

मसाले- हल्दी निजामाबाद 170 से 195, हल्दी लालगाय 260-262 कालीमिर्च गारबल 635 से 655 एटम 675 से 690, मटरदाना 700 से 715, जीरा ऊंझा 420 से 450, बेस्ट 550 से 640 सौंफ मोटी 95 से 125, मीडियम 175 से 225, बेस्ट 355 से 375, बारीक 350-400 , लौंग मीडियम 850 से 900, बेस्ट 950-965 सौंठ 295 से 325 बेस्ट 375 से 400, दालचीनी 245-255, जायफल 580-650, बेस्ट 700 जावत्री 1900-1950, बड़ी इलायची 1350 से 1400 बेस्ट 1450 से 1560, पत्थरफूल 351 से 375, बेस्ट 475, बाद्यान फूल 550 से 575, बेस्ट 750-775 शाहजीरा खर 350 से 360, ग्रीन 600-611, तेजपान 91-101, नागकेसर 750 से 775, धोली मूसली 2100 से 2250, सिंघाड़ा छोटा 90-105 बड़ा 115 हींग वनदेवी दाना751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875-925 , हरी इलायची 11850-1900 मीडियम बोल्ड 2100 से 2300 बोल्ड 2400-2500 बेस्ट ए बोल्ड 2550-2800 और सफेद तिल्ली 148-155 बेस्ट 155-160 रुपये।

सूखे मेवे- डब्ल्यू 240 नंबर 750-825, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 700 से 720, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 650-675, काजू जेएच 575-625 टुकड़ी 500-550, बादाम 540-560 बेस्ट 625-670 टांच 480-525 खसखस मीडियम 600-650 बेस्ट 850-1100 ए.बेस्ट 1201 तरबूज मगज 790-820 खारक 115-135 मीडियम 145 से 175 बेस्ट 225 से 250 ए. बेस्ट 301 किशमिश कंधारी 425 से 475, बेस्ट 550-650, इंडियन 140 से 160 बेस्ट 175 से 200 , चारोली 1485 से 1550, बेस्ट 1600 मुनक्का 450 से 550 बेस्ट 650 से 900, अंजीर 750 से 900 बेस्ट 1150 से 1450 मखाना 670 से 775, मीडियम 800 से 840 बेस्ट 865-900, केसर ब्रांडेड 188 से 190 अन्य 145-150 पिस्ता 1300-1450 ईरानी 1500-1600, नमकीन पिस्ता 850-1000 अखरोट 450 से 500, बेस्ट 550 से 650, अखरोट गिरी 700 से 1050 जर्दालू 250 से 350, बेस्ट 450 से 550 गोंद नाइजीरिया 180-250, गोंद धावड़ा 400-700 रुपये।

इंदौर मंडी में नए गेहूं की आवक, मुहूर्त में 12 हजार के ऊपर बिका

इंदौर। संयोगितागंज (छावनी) अनाज मंडी में मंगलवार को नए गेहूं की आवक का श्रीगणेश हुआ। कमलापुर (देवास) से किसान गजेंद्र पटेल नया लोकवन क्वालिटी का गेहूं लेकर पहुंचे। मंडी में किसान का स्वागत कर नई उपज की नीलामी की प्रक्रिया विधि विधान से की गई। नीलामी सात हजार से शुरू हुई। आखिर में 12 हजार 31 रुपये प्रति क्विंटल के दाम पर किसान से गेहूं जेएमसी एग्रो ने खरीदा। मुहूर्त में ऊंचे दाम मिलने से किसान खुश है। उम्मीद की जा रही है कि इस सीजन में गेहूं के दाम ऊपर ही बने रहेंगे। पुराने गेहूं में कामकाज सामान्य रहा। मिल क्वालिटी और मालवराज गेहूं 2700-2725 लोकवन 3100 रुपये तक बिका।

केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत विश्व में मसूर दाल का सबसे बड़ा उत्पादक बनने की राह पर है। फसल वर्ष 2023-24 में मसूर का उत्पादन बढ़कर करीब 16 लाख टन होने का अनुमान है। अनुमान सही साबित होता है तो 2023-24 में भारत का मसूर उत्पादन 2017-18 के बाद सर्वाधिक होगा। वर्ष 2017-18 में मसूर का घरेलू उत्पादन करीब 16.2 लाख टन था।

मसूर का समर्थन मूल्य 5100 रुपये से बढ़ाकर 2024-25 (विपणन वर्ष) के लिए 6425 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया। इससे किसानों की रुचि मसूर की खेती में फिर से बढ़ गई है। अभी मसूर का मार्केट मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य के आसपास है। हालांकि कुछ महीने पहले मसूर का मूल्य 7500-8000 रुपये प्रति क्विंटल बिकी थी। इससे भी किसान मसूर की फसल लगाने के लिए प्रेरित हुए। 12 जनवरी 2024 तक मसूर की फसल 19.45 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगाई गई थी।

सूत्रों के अनुसार कनाडा ने शुरुआती दौर में करीब 16.7 लाख टन उत्पादन का अनुमान जताया था। लिहाजा कनाडा ने भारत से अधिक उत्पादन का अनुमान जताया था लेकिन बाद में कनाडा ने अनुमान 30 प्रतिशत घटा दिया था। इससे भारत पहले स्थान पर आ गया। वैश्विक बाजार में ऑस्ट्रेलिया भी प्रमुख उत्पादक देश है। वर्ष 2023-24 में आस्ट्रेलिया का मसूर उत्पादन 14 लाख टन होने का अनुमान है।

कनाडा से हाल में राजनयिक विवाद के दौरान भारत के लिए मसूर प्रमुख दाल बनकर उभरी। इंदौर में मसूर के दाम इस समय 6100 रुपये प्रति क्विंटल के आसपास चल रहे है, वहीं चने कांटे में लेवाली कुछ सुस्त होने के कारण भाव में आंशिक गिरावट रही। चना कांटा घटकर 5800 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। अन्य दाल-दलहन में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं देख गया। कंटेनर में डालर चना बढ़कर 40/42 16500, 42/44 16200, 44/46 16000, 58/60 14100, 60/62 14000, 62/64 13900 रु. क्विंटल पर पहुंच गया।

दलहन के भाव- चना कांटा 5800 विशाल 5660 डंकी 5250-5400 मसूर 6100 तुअर महाराष्ट्र सफेद 9000-9300 कर्नाटक 9300-9700 निमाड़ी तुअर 8500-9000 मूंग 8600-8800 बारिश का मूंग नया 9000-9600 एवरेज 7000-8000 उड़द बेस्ट 8200-8700 मीडियम 7000-7700 हलका उड़द 3000-5000 रुपये क्विंटल के भाव रहे।

दालों के दाम- चना दाल 7400-7500 मीडियम 7600-7700 बेस्ट 7800-7900 मसूर दाल 7400-7500 बेस्ट 7600-7700 मूंग दाल 10200-10300 बेस्ट 10400-10500 मूंग मोगर 10700-10800 बेस्ट 10900-11000 तुअर दाल 11100-11200 मीडियम 12200-12300 बेस्ट 13400-13500 ए. बेस्ट 1500- 14600 पैक तुवर दाल नई 14500।

दूसरे सुपर ओवर में भारत की रोमांचक जीत

श्रृंखला 3-0 से की क्लीन स्वीप

बेंगलुरु। भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया तीसरी टी20 मुकाबला डबल सुपर ओवर के रोमांच के बीच भारत की जीत के साथ समाप्त हुआ। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने तीन मैचों की टी20 श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली।मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 212 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान भी निर्धारित 20 ओवर में 212 रन ही बना सकी। इसके बाद जब सुपर ओवर हुआ तो मेहमान टीम ने 16 रन बनाए। तब भारतीय टीम भी छह गेंदों पर 16 रन ही बना सकी। फिर मैच के नतीजे के लिए दूसरा सुपर ओवर हुआ। जिसमें कप्तान रोहित शर्मा के पहले दो गेंद पर छक्का और चौका जड़ने के बाद एक सिंगल लिया गया। इसके बाद नाटकीय अंदाज में भारत के दो विकेट गिर गए और टीम का स्कोर 11 रन ही रहा। तब 12 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम भी अजीबोगरीब तरीके से खेलते हुए मात्र एक रन पर अपने दोनों विकेट गंवा दिए। भारत की तरफ दूसरे सुपर ओवर में रवि विश्नोई ने गेंदबाजी की। इस तरह भारतीय टीम ने मैच में जीत हासिल कर ली। इससे पहले, मुकाबले में कप्तान रोहित शर्मा के शानदार शतक और रिंकू सिंह के अर्धशतक की बदौलत भारतीय टीम ने 20 ओवर में 212 रन बनाए थे। रोहित 121 रन बनाकर और रिंकू 69 रन बनाकर नाबाद रहे थे। अफगानिस्तान की तरफ से फरीद अहमद ने तीन विकेट झटके थे। जबकि अजमतुल्ला ओमरजाई को एक सफलता मिली थी। भारत की ओर से मिले 213 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान ने सधी शुरुआत की। उनके लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों रहमानुल्ला गुरबाज (50), इब्राहिम जादरान (50) और गुलबदीन नाइब (नाबाद 55) ने अर्धशतक जड़ा। आखिर में मोहम्मद नबी ने 16 गेंदों पर 34 रन की धमाकेदार पारी खेली। जबकि गुलबदीन की नाबाद पारी ने अफगानिस्तान को भारत के स्कोर की बराबरी करने का मौका दिया। भारत की ओर से वाशिंगटन सुंदर ने तीन सफलता हासिल की। जबकि कुलदीप यादव और आवेश खान को एक-एक विकेट मिला।

सूर्यकुमार यादव की सर्जरी के बाद अब वापसी की तैयारी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी जानकारी

मुंबई। भारतीय टीम के धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के टखने की सर्जरी पूरी हो गई है. उन्होंने खुद एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी. इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि वह जल्द ही मैदान में वापसी करेंगे. पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 मैच के दौरान सूर्यकुमार यादव बुरी तरह चोटिल हो गए थे. उनके टखने में चोट आई थी. चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें उठाकर मैदान से बाहर ले जाना पड़ा था. उनके टखने के लिगामेंट्स फट गए थे. इसी के बाद तय हो गया था कि उन्हें सर्जरी से गुजरना पड़ेगा. सूर्यकुमार यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'सर्जरी हो गई है. मेरी फिक्र और मेरे स्वास्थ्य के लिए दुआएं करने के लिए मैं सभी का आभारी हूं. और मैं आप सभी को यह बताते हुए बेहद खुश हूं कि मैं जल्द ही वापसी करूंगा.' जोहानिसबर्ग टी20 में लगी थी चोट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के आखिरी मुकाबले में फील्डिंग के दौरान सूर्या का टखना मुड़ गया था. इस मुकाबले की पहली पारी में सूर्या ने लाजवाब शतक जमाया था. इसके बाद जब दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी आई तो तीसरे ओवर में प्रोटियाज बल्लेबाज द्वारा लगाए गए एक शॉट को रोककर गेंद को थ्रो करने के दौरान उन्हें यह चोट लगी थी. इसके बाद उन्हें फौरन फिजियो द्वारा मैदान से बाहर ले जाया गया था. हालांकि मैच के बाद प्रजेंटेशन सेरेमनी में सूर्यकुमार यादव यह कहते नजर आए थे कि मैं ठीक हूं. मैं चल सकता हूं. यानी चोट ज्यादा गंभीर नहीं है. सूर्यकुमार यादव जब अफ्रीका दौरे से भारत लौटे तो उनके टखने का स्कैन किया गया. इसमें ग्रेड-2 स्तर का टियर (फटना) पाया गया. इसी के बाद यह साफ हो गया था कि यह खिलाड़ी अब लंबे वक्त तक मैदान में वापसी नहीं कर पाएंगे. यही कारण भी रहा कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे और अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर रहे.

क्या झड़ते बालों की समस्या में बायोटिन सप्लीमेंट्स वास्तव में हैं कारगर? जानिए विशेषज्ञ की सलाह

बालों की समस्या, समय के साथ लोगों में काफी सामान्य होती जा रही है। कम उम्र में ही लोग बालों के झड़ने, कमजोर होने के शिकार हो रहे हैं। 30-40 की उम्र तक बालों की संख्या काफी कम हो जाती है, यहां तक कि गंजेपन की दिक्कत भी बढ़ जाती है। झड़ते बालों को रोकने के लिए कई तरह के उपायों को प्रयोग में लाया जाता रहा है। पर क्या वास्तव में इससे लाभ मिल पाता है? क्या टूटते बालों को रोकने के लिए कोई प्रभावी उपाय है? बालों की समस्या को दूर करने के लिए बायोटिन सप्लीमेंट्स काफी चर्चा में रहे हैं। क्या वास्तव में इससे बालों को पोषण मिलता है और बालों का झड़ना रुक सकता है? आइए इस बारे में समझते हैं। आपने किसी मित्र, सहकर्मी को यह कहते हुए जरूर सुना होगा कि एक बायोटिन सप्लीमेट्स बालों की समस्या को रोकने में मदद कर सकते हैं। बायोटिन, विटामिन-बी का ही एक प्रकार है। बायोटिन, केराटिन नामक एक फाइबर प्रोटीन के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ये प्रोटीन आपके बालों और नाखूनों के विकास के लिए जरूरी है। तो क्या इससे बालों के झड़ने की समस्या को रोकने में मदद मिल सकती है, क्या इसके कैप्सूल वास्तव में बालों को घना बना सकते हैं? ये बड़ा सवाल रहा है। शोधकर्ता बताते हैं, बायोटिन के आपके शरीर के लिए कई फायदे हैं। इसकी प्राथमिक भूमिका आपके द्वारा खाए गए भोजन को ऊर्जा में बदलने में मदद करना है। कई खाद्य पदार्थों में बायोटिन होता है, जिसका अर्थ है कि संतुलित आहार का सेवन करने से इसकी पूर्ति आसानी से की जा सकती है। साल 2012 में किए गए एक अध्ययन में, पतले-कमजोर बालों की समस्या से परेशान महिलाओं को 6 महीने के लिए बायोटिन या प्लेसबो दिया गया। शोध में पाया गया कि सप्लीमेंट लेने वाले ग्रुप की महिलाओं के बालों का विकास, बालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई। हालांकि सप्लीमेंट्स में कई और तत्व जैसे जिंक और आयरन भी शामिल थे, ऐसे में अध्ययन के निष्कर्ष कहते हैं कि अकेले बायोटिन को बहुत प्रभावी नहीं माना जा सकता है। त्वचा रोगों के विशेषज्ञ कहते हैं, बालों के विकास के लिए अकेले बायोटिन सप्लीमेंट्स से फायदा हो सकता है, इसे प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं, लेकिन बालों को झड़ने को रोकने में इससे जरूर लाभ हो सकता है। बाल झड़ने की शिकायत करने वाली 38त्न महिलाओं में बायोटिन की कमी पाई गई है। अगर आप भी बालों की समस्या से परेशान हैं तो डॉक्टर की सलाह पर सप्लीमेंट्स का सेवन कर सकते हैं। बायोटिन सप्लीमेंट्स सुरक्षित हैं पर कुछ लोगों में इसके साइड इफेक्टस भी हो सकते हैं।

नदीपार पेट्रोल पंप के सामनें हुए मारपीट के मामलें में सामनें आया वीडियों

पुलिस अधीक्षक ने लिया संज्ञान आरोपियों की भी पहचान, जल्द होंगी गिरफ्तारी

कटनी, कुठला थाना अंतर्गत आने वाली बस स्टैंड चौकी के समीप नदीपार चांडक पेट्रोल पंप के सामनें हुए एक प्रौढ़ के ऊपर प्राणघातक हमले कों लेकर वीडियों सामनें आया हैं। जिस पर पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन नें संज्ञान में लेकर संबंधित थाने के अधिकारी को तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये आदेशित किया हैं। थाना कुठला द्वारा टीम का गठन कर आरोपियों की पतासाजी के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। जल्द ही हमला करने वाले सभी आरोपियों कों गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उल्लेखित हैं कि गत दिवस बस स्टेंड चौकी के पास चांडक पेट्रोल पंप के सामनें शंकर सिंह चौहान पिता राममिलन सिंह चौहान 55 वर्षीय पर कुछ अज्ञात लोगों के द्वारा जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घायल कों इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया हैं. जहाँ पर उसका उपचार जारी हैं। प्रौढ़ के साथ हुई घटना लूटपाट के इरादे से की गई थी। उक्त घटना कों लेकर वीडियों सामनें आया हैं जिस पर पुलिस अधीक्षक ने पूरे मामले को संज्ञान में लेकर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संबंधित थाना अधिकारी को आदेशित किया हैं। पुलिस के अनुसार जल्द ही सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।

परिवहन विभाग तथा चिकित्सा विभाग द्वारा चालक, परिचालको का नेत्र परीक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बरवनै में चालक एवं परिचालको का किया नैत्र परीक्षण

बड़वानी, चालक, परिचालक सामाजिक कल्याण संघ बड़वानी एवं परिवहन विभाग तथा चिकित्सा विभाग द्वारा 17 जनवरी को चालक, परिचालको के नेत्र परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बस स्टैंड बड़वानी में उक्त नेत्र परीक्षण में 62 चालक, परिचालकों के नेत्रो का परीक्षण कर उपचार किया गया। कार्यक्रम में चालक, परिचालक संघ की ओर से श्री सज्जू भाई की ओर से श्री अशोक गोस्वामी एवं श्री प्रद्युम्न तिवारी तथा स्वास्थ्य विभाग से श्री अनिल राठौड़ उपस्थित थे । उक्त नेत्र परीक्षण में चश्मे की जांच हेतु 23 चालक, परिचालकों को जिला चिकित्सालय बड़वानी बुलाया गया तथा एक चालक को मोतियाबिंद से ग्रसित पाए जाने पर उसे जिला चिकित्सालय बड़वानी में 24 जनवरी को आयोजित नि:शुल्क शिविर में जांचकर मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाएगा।

संचय साख संस्था में चोरी के मामले में कोर्ट ने की सुनवाई

कोर्ट द्वारा दो आरोपियों को चार –चार साल का सश्रम कारावास एवं जुर्माना

नगर के जटाशंकरी चौक पर स्थित प्रायवेट बैंक संचय साख संस्था में से साढ़े सात लाख रुपए चोरी करने के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी नीरज कुमार सोनी के न्यायालय द्वारा आरोपीगण लक्की पिता ध्यानसिंह, सिरवी मोहल्ला अंजड एवं मधु पिता हरी भील,हड़की बेडी अंजड को अपराध का दोषी पाते हुए दो अलग-अलग धाराओं में प्रत्येक को चार-चार साल का सश्रम कारावास एवं प्रत्येक को दो-दो हज़ार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया साथ ही अर्थदंड की रक़म जमा नही करवाने पर दो-दो माह का अतिरिक्त कारावास भुगताए जाने का आदेश प्रदान किया गया । अभियोजन अधिकारी अकरम मँसूरी ने बताया की नगर की संचय साख संस्था आर्थिक लेनदेन का कारोबार करती हे घटना दिनांक 14 जनवरी 2019 की मध्यरात्रि को संस्था के शटर का ताला खोलकर उसके ही कर्मचारी आरोपी लक्की ने आरोपी मधु के साथ मिलकर संस्था में रखे हुए साढ़े सात लाख रुपयों की चोरी की थी । पुलिस द्वारा मामले की रिपोर्ट दर्ज कर अनुसंधान किया गया था जिसमें संस्था के कर्मचारी लक्की से पूछताछ की गई थी जिसमें उसके द्वारा घटना की रात्रि को मधु के साथ मिलकर साढ़े सात लाख रुपए चोरी करना बताया था तथा चोरी के रुपयों में से पचास हज़ार रुपए आरोपी मधु को देना बताए थे । पुलिस ने संस्था से चुराए हुए 6,54,685 रुपए आरोपी लक्की के घर से और 50हज़ार रुपए आरोपी मधु के घर से ज़ब्त किए थे । अभियोजन के द्वारा न्यायालय के सामने संस्था के पदाधिकारियों एवं जप्ती-गिरफ़्तारी साक्षियो सहित पुलिस/विवेचना अधिकारी अशोक अहिरवार के कथन करवाए गए जिससे संतुष्ट होकर न्यायालय द्वारा आरोपीगण को कठोर कारावास व जुर्माने से दंडित किया गया ।

सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत चलाया गया जागरूकता अभियान,कई वाहन चालकों का हुआ सम्मान. कई कों दी गई समझाईश

यातायात नियमों के बारे में सभी कों किया जाएगा जागरूक , जिसे हर किसी को जानना हैं जरूरी

कटनी, सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना हैं। सड़क सुरक्षा को लेकर आमनागरिकों सहित सभी की जिम्मेदारी क्या है और हमें कैसे सड़क पर सुरक्षित रहना चाहिए। सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान यातायात नियमों की जानकारी व महत्व को लोगों तक पहुंचाने के लिए सभी स्कूल कालेजों और विभन्न सार्वजनिक जगहों-जगहों पर तमाम तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए इसी श्रंखला में माधव नगर गेट के पास पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन, महापौर श्री मति प्रीति संजीव सूरी, यातायात सूबेदार राहुल पांडे एवं अन्य जनप्रतिनिधि एवं पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में जागरूकता अभियान कार्य योजना के तहत पुलिस द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और सुरक्षित आवागमन के प्रति जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन व नगर निगम महापौर श्रीमति प्रीति संजीव सूरी यातायात प्रभारी राहुल पाण्डेय के सानिध्य में उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर चौराहा पर वाहन चालकों को गुलाब का फूल भेंट कर सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक किया। इस दौरान यातायात कर्मियों ने दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने सुरक्षित रफ्तार पर वाहन चलाने यातायात नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया। इसी प्रकार चौपिहया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने, अधिक सवारियां नहीं बैठाने के संबंध में समझाइश की गई। पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन व महापौर श्रीमति सूरी ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पूरी तरह पालन कर सुरक्षित वाहन संचालन का संदेश दिया। यातायात के नियमों का पालन- सड़क पर चलते समय यातायात के नियमों का पूरा पालन करें। सड़क पर लगे संकेतांकों का सही अनुसरण करें, ताकि आपके साथ कोई हादसा ना होने पाए। इन संकेतों में सिग्नल्स, क्रॉसिंग, और ट्रैफिक लाइट शामिल हैं। वाहनों से उचित दूरी बनाकर रखें- सड़क पार करते समय वाहनों के लिए सुरक्षित दूरी बनाए रखें। यह सुनिश्चित करेगा कि वाहन आपको किसी तरह का नुकसान ना पहुंचा सकें। दिशा का रखें ध्यान- सड़क पार करते समय हमेशा सही साइड में चलें। इसके साथ ही ट्रैफिक की दिशा पर भी ध्यान रखें, ताकि हादसा ना होने पाए। वाहन चालक रखें इसका ध्यान- अगर आप बाइक सवार हैं, तो हेलमेट पहनें और गाड़ी चालकों को हमेशा सीट बेल्ट पहनकर रखनी चाहिए। जेब्रा क्रॉसिंग का प्रयोग- अगर पैदल चल रहे हैं तो हमेशा जेब्रा क्रॉसिंग का ही इस्तेमाल करें। इसी की मदद से आप हादसों से दूर रहेंगे। ध्यानपूर्वक सड़क पार करें- सड़क पार करते समय हमेशा ध्यानपूर्वक रहें। आसपास के वाहनों और और ट्रैफिक लाइटों का खास ध्यान रखें।

आयोजित परीक्षाओं के परिणाम शीघ्र जारी करने के निर्देश - उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला

स्वास्थ्य विभाग के रिक्त पदों की पूर्ति प्राथमिकता से करें : उप मुख्यमंत्री

सतना रीवा, मप्र उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने निर्देश दिये हैं कि स्वास्थ्य विभाग के स्वीकृत पदों में भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए आवश्यक औपचारिकताओं की अविलंब पूर्ति करें स्वीकृत पद जिनके लिए मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा परीक्षा आयोजित की जा चुकी हैं उनके अंतिम परिणाम जारी करने के संबंध में विभागीय सामंजस्य के विषयों को प्राथमिकता से निराकृत करें उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मंत्रालय वल्लभ भवन में स्वास्थ्य विभाग के रिक्त पदों की पूर्ति के संबंध में बैठक ली उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बैठक में निर्देश दिये कि स्वास्थ्य विभाग के रिक्त पदों की पूर्ति का कार्य कर्मचारी चयन मंडल प्राथमिकता के साथ करे उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के पदों की पूर्ति सिर्फ़ आजीविका का माध्यम नहीं है स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक मेडिकल स्टाफ़ संपूर्ण स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए अहम हैं, प्रदेश की पूरी आबादी से संबंधित हैं उन्होंने निर्देश दिये कि विभागीय सामंजस्य के विषयों में संबंधित अधिकारी प्राथमिकता से नियमित संपर्क करें उप मुख्यमन्त्री ने एएनएम के 2576 पद, रेडियोग्राफ़र के 140 पद, लैब टेक्नीशियन के 265 पद और फार्मासिस्ट ग्रेड-2 के 472 पद कुल 3453 पद के परिणाम कर्मचारी चयन मंडल द्वारा शीघ्र जारी किए जाने के निर्देश दिये है उप मुख्यमंत्री ने नवीन स्वीकृत पदों के संबंध में लोक सेवा आयोग एवं कर्मचारी चयन मंडल को शीघ्र मांग प्रेषित करने के निर्देश दिये ताकि भर्ती प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण किया जा सके। उल्लेखनीय है कि बैकलॉग और नवीन स्वीकृत पद मिलाकर विशेषज्ञ के 441 पद, चिकित्सा अधिकारी के 470 पद और दंत चिकित्सक के 156 पदों पर भर्ती हेतु लोक सेवा आयोग को मांग प्रेषित की जानी है। उप मुख्यमंत्री ने एनएचएम द्वारा भर्ती किए जाने वाले स्वास्थ्य स्टाफ के पदों, नर्सिंग स्टाफ एवं पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती की नियुक्ति के संबंध में वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिये।

राममय हुई इंदौर नगरी, जय श्री राम के नारों से गूंज उठा सम्पूर्ण शहर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के विश्राम बाग में आयरन स्क्रैप से निर्मित श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिकृति का किया उद्घाटन

इंदौर, आज का दिन संपूर्ण इंदौर शहर के लिए अविस्मरणीय बन गया जब जय श्री राम की गूंज और मंत्रों के उच्चारण के मध्य मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री लक्ष्मण सिंह गौड़ उद्यान में आयरन स्क्रैप से निर्मित श्रीराम मंदिर अयोध्या की प्रतिकृति का अनावरण किया। इस अवसर पर नगरीय एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, श्री कृष्ण मुरारी मोघे, विधायक श्री रमेश मेंदोला, श्रीमती मालिनी गौड़, सुश्री उषा ठाकुर, श्री महेन्द्र हार्डिया, श्री गोलु शुक्ला, श्री मधु वर्मा, श्री मनोज पटेल, आईडीए अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा, अनुसूचित जाति वित विकास निगम के अध्यक्ष श्री सावन सोनकर, श्री गौरव रणदिवे, श्री निशांत खरे, सुश्री कविता पाटीदार, श्री सुदर्शन गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा संभागायुक्त श्री मालसिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। **मध्यप्रदेश से अयोध्या पहुंचाए जाएंगे 5 लाख लड्डू** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्री राम ने अपने जीवन काल में कई लोगों को जोड़कर उनके अंर्तऊर्जा का जागरण किया है। वे हम सभी के लिए प्रेम और स्नेह की प्रतिमूर्ति है। उन्होंने जो आदर्श जीवन जिया है वह हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है। हमें भी उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देश के विकास में अपनी भागीदारी निभानी चाहिये। 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रदेश से 5 लाख लड्डू भिजवाए जाएंगे। कई हजार वर्ष पहले मालवा के ही सम्राट विक्रमादित्य द्वारा भगवान श्री राम का मंदिर स्थापित किया गया था, उस समय भी इसी तरह पूरे देश में उत्साह का माहौल था जो हम आज देख रहे हैं। **इंदौर नगर निगम को दी बधाई** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर को 7वी बार स्वच्छता में नंबर वन आने पर नगर निगम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इंदौर सदैव ही अपने नए-नए नवाचारों के लिए जाना जाता रहा है और उसी क्रम में आज लोहे के स्क्रेप से बनी यह श्री राम मंदिर की प्रतिकृति हम सबके लिए एक यादगार क्षण है। जो लोग अयोध्या नही जा सकते वे यहां से ही अयोध्या का आनंद ले कर श्रीराम को प्रणाम कर सकते हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों का आह्वान करते हुए कहा कि 22 जनवरी को वह दीप जला कर दिवाली मना कर उस दिवस को यादगार बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर उज्जवल सोलंकी की टीम जिन्होंने तीन माह में इस मंदिर की प्रतिकृति को तैयार किया उनको सम्मानित किया। उन्होंने श्री राम मंदिर का अवलोकन भी किया। उल्लेखनीय है कि देश का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर स्वच्छता के क्षेत्र में अपने नवाचारों के लिए जाना जाता है। अपनी इसी छवि को नया रूप देते हुए इंदौर नगर निगम द्वारा शहर के विश्राम बाग में भव्य राम मंदिर की प्रतिकृति तैयार कराई गई है। यह प्रतिकृति 21 टन लोहे के कबाड़ से तैयार की गई है। मजदूरों ने कुल 3 महीने में इस मंदिर का निर्माण किया है। आयरन स्क्रैप से निर्मित इस राम मंदिर को बनाने में पुराने वाहनों के चेचिस, स्ट्रीट लाइट्स के पुराने खंबे, पुराने खराब झूले, पार्कों की टूटी फूटी ग्रिल, गेट्स, चैन सॉकेट, आदि पुराने लोहे का उपयोग किया गया है। यह मंदिर अपनी भव्यता को दर्शाते हुए श्री राम की महिमा का वर्णन करता है।

भारतीय पौराणिक आख्यानों में सबसे बड़े भक्त के रूप में श्रीहनुमान जी का वर्णन

खजुराहो में दूसरे दिन श्रीहनुमान लीला का हुआ मंचन

छतरपुर, 22 जनवरी 2024 को श्रीराम मंदिर अयोध्या में स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यकम आयोजित हो रहा है। जिसके पूर्व संस्कृति विभाग द्वारा प्रसारित निर्देशों के अनुक्रम में जिले में कलेक्टर संदीप जी.आर. की निर्देशन में विभिन्न धार्मिक गतिविधियां आयोजित की जा रहीं है। इसी क्रम में खजुराहो में तीन दिवसीय श्रीराम चरित लीला का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन छतरपुर द्वारा जिलेवासियों से सम्पूर्ण गतिविधियों में शामिल होने तथा अपने घरों में रोशनी और 22 जनवरी को दीपप्रज्जवलन कर दीपावली जैसा मनाने की अपील की गई है। श्रीरामचरित लीला के दूसरे दिवस श्रीहनुमान लीला में भगवान हनुमान के जीवन के उपाख्यानों को 15 दृश्यों में प्रस्तुत किया गया। श्रीहनुमान लीला को भक्ति की लीला के रूप में देखना चाहिये। भारतीय पौराणिक आख्यानों में सबसे बड़े भक्त के रूप में श्रीहनुमान जी का वर्णन अलग-अलग संदर्भों में आता है। अपने बाल्यकाल से ही श्रीहनुमान जी एक लीला की संरचना करते हैं, जिसमें वे सूर्य को निगलते हैं और देवता चिंतित हो जाते हैं। तब सभी देवता उपस्थित होकर श्रीहनुमान जी से प्रार्थना करते हैं और अपनी-अपनी शक्तियां श्रीहनुमान जी को आशीष स्वरूप प्रदान करते हैं। श्रीहनुमान जी का चरित अलग-अलग देव शक्तियों को एक ही चरित में प्रतिस्थापित करने की लीला का आख्यान है। कहा जाता है कि श्रीहनुमान भगवान शिव के अवतार हैं और देवी पार्वती उनकी पूंछ हैं। जब भी श्रीहनुमान जी से किसी भी तरह का दुर्व्यवहार आख्यान में आता है, जहां-जहां उनकी परीक्षा लेने और दंडित करने का किसी चरित के द्वारा प्रयत्न किया जाता है। तब देवी ही क्रोधित होकर अपने नाथ की रक्षा के लिये आगे आती हैं। पूंछ देवी और शक्ति का प्रतीक है। इन अर्थों में यह आख्यान, बहु भक्ति की अवधारणा को कितनी सहजता से प्रकट करता है। इस लीला का निर्देशक राजीव अयाची दमोह द्वारा किया गया। अंतिम दिवस 18 जनवरी को भक्तिमति शबरी लीला का मंचन सायं 6 बजे से खजुराहो गोल मार्केट के सामने किया जाएगा। आमजनों से श्रीरामचरित लीलाओं को देखने की अपील की गई है।

हैजा के प्रकोप से जूझ रहा जाम्बिया, अक्टूबर से 400 से ज्यादा की मौत, सभी स्कूल बंद

लुसाका: दक्षिणी अफ्रीकी देश जाम्बिया हैजा के बड़े प्रकोप से जूझ रहा है। पिछले साल अक्टूबर से देश में 400 से अधिक लोगों की मौत हुई है और 10,000 से अधिक संक्रमित हुए हैं। हैजा के कारण देश भर के स्कूलों को बंद रखने का आदेश हैजा के कारण अधिकारियों ने देश भर के स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया है। राजधानी लुसाका में एक बड़े फुटबॉल स्टेडियम को उपचार केंद्र में बदल दिया गया है। जाम्बिया सरकार बड़े पैमाने पर टीकाकरण कार्यक्रम शुरू कर रही है और उसका कहना है कि वह देश में प्रभावित समुदायों को प्रतिदिन 24 लाख लीटर स्वच्छ पानी उपलब्ध करा रही है। प्रतिदिन 400 से अधिक मामले किए जा रहे हैं दर्ज 'जाम्बिया पब्लिक हेल्थ इंस्टीट्यूट के अनुसार, जाम्बिया में इसका प्रकोप अक्टूबर में शुरू हुआ। हैजा के कारण अक्टूबर से अब तक 412 लोगों की मौत हो चुकी है और 10,413 मामले दर्ज किए गए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि देश के लगभग आधे जिले और 10 में से नौ प्रांत हैजा की चपेट में हैं। करीब दो करोड़ आबादी वाले देश में प्रतिदिन 400 से अधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

भारतवंशी रामास्वामी को समर्थकों ने माना उपराष्ट्रपति, ट्रंप के सामने नारेबाजी

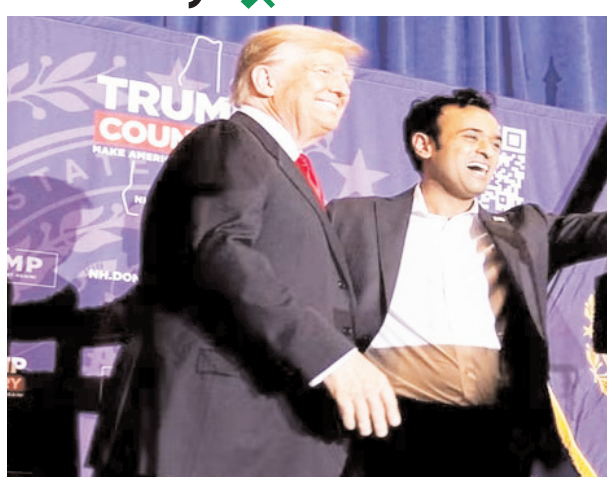

वाशिंगटन- अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव 2024 के लिए रेस शुरू हो चुकी है। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से भारतवंशी विवेक रामास्वामी भी ताल ठोक रहे थे। हालांकि, आयोवा कॉकस चुनाव में पिछड़ने के बाद उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन दिया। खास बात ये कि ट्रंप के सामने रामास्वामी के समर्थकों ने उन्हें अमेरिका का भावी उपराष्ट्रपति करार दिया। इस पर कद्दावर रिपब्लिकन नेता ट्रंप ने जवाब भी दिया। इससे पहले आयोवा कॉकस के परिणाम आने के बाद ट्रंप ने कहा था कि भारतवंशी नेता रामास्वामी लंबे समय तक उनके साथ काम करेंगे। इसे भी बड़े फैसले का संकेत माना गया। ट्रंप के सामने भारतवंशी नेता का समर्थन, सुनिए पूर्व राष्ट्रपति का जवाब दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि रामास्वामी के समर्थक उनके समर्थन में नारेबाजी कर रहे हैं। ट्रंप की मौजूदगी में हुई नारेबाजी में रामास्वामी के समर्थक वीपी-वीपी (उपराष्ट्रपति) कहते सुने जा सकते हैं। इस पर पूर्व राष्ट्रपति ने जवाब दिया। 38 साल के भारतवंशी-अमेरिकी रामास्वामी ने अपने समर्थकों के साथ-साथ आयोवा की जनता से ट्रंप का साथ देने की अपील भी की। उन्होंने ट्रंप को अमेरिकी देशभक्त बताया और कहा कि 2024 के चुनाव में उनका राष्ट्रपति बनना बेहद जरूरी है आयोवा में ट्रंप की बड़ी जीत, रामास्वामी ने कही यह बात बता दें कि आयोवा कॉकस के 40 प्रतिनिधियों में 20 ट्रंप के साथ हैं। यहां कुल 56,250 वोट डाले गए, जिसमें ट्रंप ने 32,840 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। फ्लोरिडा के गवर्नर को रॉन डेसेंटिस आठ प्रतिनिधियों के वोट साथ दूसरे स्थान पर रहे। संयुक्त राष्ट्र की पूर्व राजदूत निक्की हेली सात प्रतिनिधियों के समर्थन के साथ तीसरे नंबर पर रहीं। भारतीय मूल के नेता विवेक रामास्वामी ने राष्ट्रपति पद की रेस से बाहर होने के बाद कहा, वे अमेरिका और रिपब्लिकन पार्टी की सेवा करना चाहते हैं। इसलिए ट्रंप के समर्थन का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, रॉन डेसेंटिस और निक्की हेली जैसे रिपब्लिकन नेताओं को भी ट्रंप का समर्थन करते हुए खुद को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनने की रेस से बाहर कर लेना चाहिए।

ऐसा लगता है जैसे जीवन धन्य हो गया है- राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान मारे गए कारसेवकों का परिवार

कोलकाता: राम मंदिर के उद्घाटन में बमुश्किल एक सप्ताह का समय बचा है और 34 साल पहले अयोध्या में राम जन्मभूमि स्थल पर पुलिस गोलीबारी में जान गंवाने वाले कोलकाता के कारसेवकों के परिवार के सदस्यों को अब जाकर दीवाली और होली जैसे त्योहारों की खुशी का अहसास हो रहा है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम जन्मभूमि स्थल पर 1990 में कारसेवा के दौरान पुलिस गोलीबारी में राम कोठारी (22) और शरद कोठारी (20) नामक भाइयों की असामयिक मृत्यु हो गई थी। इस महत्वपूर्ण अवसर पर कोठारी बंधुओं की बड़ी बहन पूर्णिमा ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए मीडिया से कहा, ''हमारा पूरा परिवार बहुत खुश है। मेरे भाइयों के निधन के बाद से 1992 से मैंने अयोध्या की वार्षिक तीर्थयात्रा की है और अपने दिवंगत भाइयों के करीबी मुद्दे 'राम जन्मभूमि आंदोलन% के लिए प्रार्थना की है। मुझे विश्वास है कि मेरे भाइयों की आत्माओं को अब शांति मिलेगी। ये हम सभी के लिए दूसरी दिवाली और होली के अनुभव जैसा है। पूर्णिमा के अनुसार उनके भाई मध्य कोलकाता के बड़ाबाजार में अपने आवास के पास राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की शाखा में नियमित रूप से शामिल होते थे। उन्होंने पुष्टि की, ''उनके भाई कार सेवा के लिए विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर अयोध्या चले गए।

टेक्सास में युवक ने 8 वर्षीय भतीजी सहित चार को गोलियों से भूना, फिर खुद को भी ली जान

उपनगर ह्यूस्टन से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि एक व्यक्ति ने अपनी अलग रह रही पत्नी और आठ वर्षीय भतीजी सहित तीन अन्य रिश्तेदारों को गोली मार दी। इसके बाद खुद को भी शूट कर मार डाला। फोर्ट बेंड काउंटी के शेरिफ एरिक फगन ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 46 वर्षीय एलरिक शॉन बैरेट ने शनिवार सुबह 7 बजे से ठीक पहले घर पर गोलीबारी की। फगन ने कहा कि घर पहुंचने के बाद, बैरेट ने अपनी अलग हो चुकी पत्नी से कहा कि वह फिर से मिलना चाहता है, लेकिन उसने इनकार कर दिया। फगन ने कहा कि घर के एक 13 वर्षीय लड़के का फोन आने के बाद प्रतिनिधियों ने घर पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। शेरिफ कार्यालय ने कहा कि किशोर बैरेट का भतीजा है। छिपने की वजह से बची दो बच्चों की जान शेरिफ कार्यालय ने कहा कि 13 वर्षीय और बैरेट का 7 वर्षीय बच्चा फायरिंग के दौरान छिप गए थे, इसलिए उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा। बैरेट की अलग रह रही पत्नी की मां भी घर में थीं और उन्हें कोई नुकसान नहीं हुआ। शेरिफ कार्यालय के अनुसार, अपनी भतीजी और 44 वर्षीय पत्नी को मारने के अलावा, बैरेट ने अपने 43 वर्षीय भाई और 46 वर्षीय बहन को भी मार डाला। उन्होंने कहा कि वह मारे गए लोगों के नाम तुरंत जारी नहीं कर रहे हैं। फगन ने कहा कि परिवार के कुछ सदस्य घर में रहते थे और अन्य लोग आते रहते थे। उन्होंने कहा कि पिछले जनवरी में, अधिकारियों ने बैरेट और उनकी अलग रह रही पत्नी के बीच मौखिक बहस के कारण गड़बड़ी की कॉल का जवाब दिया था। फगन ने कहा कि वे अभी भी बैरेट की पृष्ठभूमि की जांच कर रहे हैं, लेकिन अभी तक उनके कार्यालय और बैरेट के बीच कोई और बातचीत नहीं हुई है। शेरिफ कार्यालय ने कहा कि चूंकि यह एक सतत जांच बनी हुई है, इसलिए बैरेट द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियार के बारे में विवरण इस समय उपलब्ध नहीं है।

मोदी फिर करेंगे दक्षिणी राज्यों का दौरा करोड़ों की परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक महीने में तीसरी बार दक्षिणी राज्यों का दौरा करेंगे और अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा से पहले महाराष्ट्र भी जाएंगे। इस यात्रा के दौरान वह हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास के साथ ही कई कार्यक्रमों की शुरुआत भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बुधवार को बयान जारी कर यह जानकारी दी। मोदी 19 जनवरी को महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु का करेंगे दौरा पीएमओ की ओर से जारी बयान में कहा गया है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 19 जनवरी को महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु का दौरा करेंगे। बयान में कहा गया है कि वह सुबह लगभग 10:45 बजे महाराष्ट्र के सोलापुर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे, इसके बाद दोपहर लगभग 2:45 बजे कर्नाटक के बेंगलुरु में बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सेंटर का उद्घाटन करेंगे तथा बोइंग सुकन्या कार्यक्रम की शुरुआत करेंगे। इसमें कहा गया है कि शाम लगभग छह बजे प्रधानमंत्री तमिलनाडु के चेन्नई में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। मोदी सोलापुर में रायनगर हाउसिंग सोसाइटी के 15,000 घर भी सौंपेगे तीन राज्यों के उनके एकदिवसीय दौरे की शुरुआत महाराष्ट्र के सोलापुर से होगी जहां वह एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र में लगभग 2,000 करोड़ रुपए की आठ अमृत (कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन) परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत निर्मित 90,000 से अधिक घर लाभार्थियों को सौंपेंगे। इसके अलावा, वह सोलापुर में रायनगर हाउसिंग सोसाइटी के 15,000 घर भी सौंपेगे, जिनके लाभार्थियों में हजारों हथकरघा श्रमिक, विक्रेता, पावरलूम श्रमिक, कचरा बीनने वाले, बीड़ी श्रमिक, ड्राइवर और अन्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री बेंगलुरु में नए अत्याधुनिक बीआईईटीसी परिसर का करेंगे उद्घाटन बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र में पीएम-स्वनिधि के 10,000 लाभार्थियों को पहली और दूसरी किस्त के वितरण की शुरुआत करेंगे। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री बेंगलुरु में नए अत्याधुनिक बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सेंटर (बीआईईटीसी) परिसर का उद्घाटन करेंगे। इसके अनुसार करीब 1,600 करोड़ रुपये के निवेश से निर्मित, 43 एकड़ का यह परिसर अमेरिका के बाहर बोइंग का सबसे बड़ा निवेश है। छठे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे प्रधानमंत्री बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री बोइंग सुकन्या कार्यक्रम की भी शुरूआत करेंगे जिसका उद्देश्य देश भर से कुछ और लड़कियों को देश के बढ़ते विमानन क्षेत्र में प्रवेश का समर्थन करना है।

श्रीराम मंदिर परिसर पहुंची रामलला की मूर्ति.

जानिए, गर्भगृह में कब की जाएगी स्थापित

अयोध्या-रामलला की मूर्ति को बुधवार रात यहां राम मंदिर के गर्भगृह में लाया गया। श्री राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने यह जानकारी दी। मूर्ति को अंदर लाने से पहले गर्भगृह में एक विशेष पूजा आयोजित की गई। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले उनका आसन भी तैयार किया गया है। रामलला का आसन 3.4 फीट ऊंचा है, जिसे मकराना पत्थर से बनाया गया है। मिश्रा ने कहा कि गुरुवार को गर्भगृह में मूर्ति स्थापित किए जाने की संभावना है। मूर्ति को एक ट्रक से मंदिर लाया गया। 121 'आचार्य अनुष्ठान का कर रहे हैं संचालन सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, राम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अनुष्ठान किए जा रहे हैं। इससे पहले बुधवार को कलश पूजन का आयोजन किया गया। राम मंदिर ट्रस्ट के अधिकारियों के अनुसार अनुष्ठान 21 जनवरी तक जारी रहेंगे और प्राण प्रतिष्ठा के दिन रामलला की मूर्ति की 'प्राण प्रतिष्ठा के लिए आवश्यक हर अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। 121 'आचार्य अनुष्ठान का संचालन कर रहे हैं। राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 22 जनवरी को दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा और दोपहर एक बजे समाप्त होने की उम्मीद है। प्राण प्रतिष्ठा होगी तो गर्भगृह में केवल 5 लोग ही रहेंगे 22 जनवरी 2024 को पीएम नरेंद्र मोदी प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे। इस खास मौके पर देश की तमाम बड़ी हस्तियों को अलग-अलग क्षेत्रों में अपना योगदान देने वाले खास लोगों को भी आमंत्रित किया गया है। इस समारोह में आने वाले समाज के सभी वर्गों को शामिल होने का अमंत्रण दिया गया है। बता दें कि राम मंदिर में जब प्राण प्रतिष्ठा होगी तो गर्भगृह में केवल पांच लोग ही रहेंगे। जिसमें प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी और राज्यपाल आनंदबेन पटेल भी हैं।

ईरान-पाकिस्तान को संयम बरतने की चीन की नसीहत, कहा- दूसरे देशों की संप्रभुता का करें सम्मान

बीजिंग - पाकिस्तान और ईरान के बीच गतिरोध जारी है। बढ़ते तनाव के बीच चीन ने दोनों देशों से संयम बरतने के लिए कहा है। चीन ने आह्वान किया कि वे तनाव को बढ़ाने वाली कार्रवाइयों पर लगाम लगाएं। दरअसल, मंगलवार को ईरान ने पाकिस्तान की सीमा में घुसकर उग्रवादी ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद, पाकिस्तान ने ईरान में पदस्थ अपने राजदूत को वापस बुला लिया और ईरान के राजदूत को वापस तेहरान भेज दिया। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बीजिंग का मानना है कि दोनों देशों को संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। हर देश को दूसरे देशों की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता का ईमानदारी से सम्मान करना चाहिए। ईरान और पाकिस्तान पड़ोसी और इस्लामिक राष्ट्र हैं। इसलिए दोनों को संयम बरतना चाहिए। हम दोनों देशों से तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाइयों से बचने का आह्वान करते हैं। भारत ने भी साफ किया अपना रुख इससे पहले, भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि यह ईरान और पाकिस्तान के बीच का मामला है। जहां तक भारत का सवाल है, हम आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति पर चल रहे हैं। हम आत्मरक्षा में दूसरे देशों की ओर से उठाए जाने वाले ऐसे कदमों समझ सकते हैं। यह है पूरा मामला ईरान ने मंगलवार को बलूचिस्तान के पंजगुर शहर पर मिसाइलें दागी थी। पाकिस्तान का दावा है कि इस हमले में दो बच्चों की मौत हुई है जबकि 3 लोग घायल हैं। बौखलाए पाकिस्तान ने ईरान के राजदूत को देश से निकाल दिया जबकि तेहरान में मौजूद अपने राजदूत को वापस बुला लिया है। उसने सभी उच्च स्तरीय द्विपक्षीय दौरों को रद्द करते हुए ईरान को गंभीर नतीजे भुगतने की चेतावनी भी दी है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने राजनयिकों पर हुई कार्रवाई की पुष्टि की। बलोच ने ईरान के हमलों को अवैध-अस्वीकार्य बताते हुए संप्रभुता व संयुक्त राष्ट्र चार्टर के विरुद्ध बताया।

उत्तर भारत में शीतलहर का कहर जारी, ठंड के कारण बदला गया स्कूलों का समय, इतने बजे से लगेंगी कक्षाएं

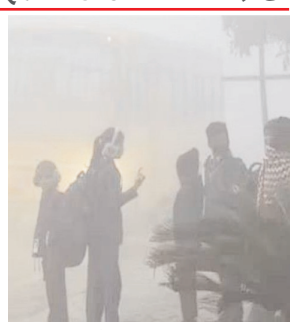

नेशनल डेस्क: ठंड के कारण नोएडा और ग्रेटर नोएडा के सभी स्कूलों में नर्सरी से आठवीं तक की कक्षाएं 18 जनवरी से सुबह 10 बजे शुरू होंगी। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। जिला प्राथमिक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) राहुल पंवार ने इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया है। बीईओ के आदेश में कहा गया, ''गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में घने कोहरे एवं अत्यधिक ठंड के मौसम को देखते हुए जिले में प्राथमिक शिक्षा विभाग के अधीन संचालित सभी बोर्ड-सीबीएसई, आईसीएसई, आईबी, यूपी बोर्ड, से मान्यता प्राप्त स्कूलों में नर्सरी से लेकर आठवीं तक की कक्षाएं 18 जनवरी से सुबह 10 बजे से शुरू होंगी। उन्होंने कहा कि इस आदेश की अवहेलना करने वाले स्कूल संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569